दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 34 | ग्वालियर, बुधवार 16 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

बीजेपी नेता ने पुलिस वाले को जड़ा थप्पड़ तो खाकी ने ऐसे निकाली नेतागिरी की सारी हेकड़ी

सतना। मध्य प्रदेश के मैहर में बीजेपी नेता ने एक पुलिसकर्मी को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। जानकारी के अनुसार, वार्ड-12 की पार्षद अर्चना चौरसिया के पति और बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष अरुण चौरसिया ने सोमवार को मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन के दौरान एक पुलिसकर्मी को भीड़ में थप्पड़ जड़ दिया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेज से वायरल हो रहा है। इस बीच पुलिस ने भी तमाचा जड़ने वाले बीजेपी नेता अरुण चौरसिया को गिरफ्तार कर उसकी सारी हेकड़ी और नेतागिरी उतार दी। पुलिस ने अरुण चौरसिया को भरे बाजार जुलूस निकाला। रोड पर बीजेपी नेता को सबक सिखाने का भी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, मैहर में देवी विसर्जन के चल समारोह के दौरान अरुण चौरसिया ने पुलिसकर्मी गुड्डू यादव को थप्पड़ मार दिया। दरअसल मैहर में रविवार को दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के चल समारोह निकाला जा रहा था। आरक्षक गुड्डू यादव की ड्यूटी लगी थी। समारोह शारदा टॉकीज चौराहे पर पूर्वी दरवाजे के पास पहुंचा तो नशे में धुत पार्षद पति व बीजेपी नेता अरुण चौरसिया अपने साथियों के साथ सड़क पर नाचने लगा। इससे ट्रैफिक जाम होने लगा। पुलिस आरक्षक गुड्डू यादव ने बीजेपी नेता और अन्य लोगों को आगे बढ़ने के लिए कहा। इस पर बीजेपी नेता भड़क गया और मारपीट करने लगा। यह देखकर अन्य पुलिसकर्मी भी पहुंचे और उन्हें अलग कराया। इसका वीडियो वायरल होने लगा तो सीनियर अफसरों तक मामला पहुंचा। घटना के 24 घंटे बाद पुलिस ने आरोपी नेता को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अरुण चौरसिया की पत्नी अर्चना चौरसिया वार्ड 12 से निर्दलीय पार्षद चुनी गई थीं। बाद में उसने भाजपा को समर्थन दे दिया। विधानसभा चुनाव के समय अरुण चौरसिया ने भी भाजपा जॉइन कर ली थी। वह भाजपा मंडल का उपाध्यक्ष है। मामला सामने आने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अफसरों ने भाजपा नेता अरुण चौरसिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। बता दें कि अरुण चौरसिया मैहर नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष भोला चौरसिया का पुत्र हैं। वह इसके पहले भी कई बार विवाद कर चुका है।

सम्राट चौधरी के बंगले में वास्तु दोष

बिहार की राजधानी पटना में स्थित डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का बंगला एक बार फिर से चर्चे में है। अक्सर इस बंगले से जुड़े वास्तु दोष को लेकर सवाल उठाया जाता है। कहा जाता है कि जो भी डिप्टी सीएम इस बंगले में रहा, वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका। इसलिए अब बंगले से जुड़े वास्तु दोष को मिटाने के लिए बंगले के पीछे वाले गेट को 10 फीट ऊँची दीवार देकर बंद किया जा रहा है। पूर्व डिप्टी सीएम रहे तेजस्वी यादव अक्सर पीछे के गेट से ही आना-जाना करते थे लेकिन सम्राट चौधरी ने पीछे के गेट को वास्तु दोष के कारण इसे बंद करने का फैसला किया है। सम्राट चौधरी खुद के आने-जाने के लिए मेन गेट का इस्तेमाल करेंगे। इस मामले में जब बंगले में काम कर रहे मिस्त्री से पूछा गया तो मिस्त्री ने बताया कि दक्षिण दिशा में बना घर का दरवाजा हमेशा अशुभ होता है। शायद वास्तु दोष को सुधारने के लिए इस गेट को बंद किया जा रहा है। वास्तु दोष की चर्चा अब बिहार के राजनीतिक गलियारे में भी शुरू हो गई है। इसे लेकर राजद और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुका है। सम्राट चौधरी से जब पूछा गया कि बंगले में रहने वाले सारे डिप्टी सीएम अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके तो इसके जवाब में सम्राट चौधरी ने कहा कि कोई बंगला डिस्प्यूटेड नहीं होता बल्कि व्यक्ति डिस्प्यूटेड होता है। उन्हें फिर से डिप्टी सीएम नहीं बनना है। सम्राट चौधरी के बयान को लेकर दोनों पार्टियों ने एक दूसरे पर तीखा हमला करना शुरू कर दिया है। जहां बीजेपी के प्रवक्ता दानिश इकबाल ने इशारों-इशारों में तेजस्वी यादव पर हमला बोला और कहा कि बैक गेट की जरूरत 2 नंबर के लोगों को होती है। जिसे चोरी-छिपे कुछ ले जाना या ले आना होता है। इस पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि जिस पार्टी का ही वास्तु खराब है। उसके लिए कोई भी दीवार खड़ी करने और गेट बंद करने से कोई फायदा नहीं होगा। दरअसल, सम्राट चौधरी नीतीश कुमार के लिए बिहार की सत्ता का दरवाजा बंद कर रहे हैं।

भभुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे रितेश पांडे

नई दिल्ली। भोजपुरी गायक व अभिनेता रितेश पांडे बिहार स्थिति भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे हैं। यहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब उनसे भाजपा ज्वाइन करने को लेकर सवाल किया तो रितेश पांडे ने कहा कि जो भी होगा जल्द आप लोगों को पता चला जाएगा। साथ ही जब चुनाव लड़ने को लेकर उनसे सवाल किए गए तो उन्होंने कहा कि वह भभुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि जो भी होगा वह सार्वजनिक कर दिया जाएगा और लोगों को पता चल जाएगा। बता दें कि इससे पहले भी भोजपुरी फिल्म जगत के कई कलाकर भाजपा में शामिल हो चुके हैं और चुनाव लड़कर विधानसभा और लोकसभा पहुंच चुके हैं। वहीं पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के ट्वीट पर रितेश पांडे ने कहा कि क्या वह इस देश में नहीं रहते हैं। थोड़ा सोच समझकर जवाब देना चाहिए। बता दें कि पप्पू यादव ने ट्वीट कर लिखा था, ÷यह देश है या हिजड़ों की फौज, एक अपराधी जेल में बैठ चुनौती दे,

लोगों को मार रहा है,सब मूकदर्शक बने हैं। कभी मूसेवाला, कभी करणी सेना के मुखिया, अब एक उद्योगपति राजनेता को मरवा डाला। कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में इस लारेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा।÷ बता दें कि इससे पहले भाजपा में शामिल हुए पवन सिंह को लोकसभा चुनाव में आसनसोल से भाजपा ने उम्मीदवार बनाया था। हालांकि किसी कारणवश पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पवन सिंह ने निर्दलीय काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। इस सीट पर उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा को हरा दिया। हालांकि इस सीट पर सीपीआईएम ने जीत दर्ज की और दूसरे स्थान पर पवन सिंह रहे थे। बता दें कि भोजपुरी जगत के कई कलाकार मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव निरहुआ और रवि किशन पहले से ही भाजपा के सदस्य हैं। ऐसे में अब रितेश पांडे को लेकर यह संभावना जताई जा रही है कि वह भी भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। अब देखना यह है कि इसे लेकर आगे क्या होता है और क्या भाजपा उन्हें भभुआ विधानसभा सीटे से अपना उम्मीदवार बनाएगी।

बहराइच हिंसा के मृतक राम गोपाल मिश्रा के परिवार के सदस्यों ने लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में मारे गए युवक के परिजनों से मंगलवार को लखनऊ में मुलाकात की। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। रामगोपाल मिश्रा के पिता कैलाश नाथ और उनकी मां सीएम से मुलाकात के दौरान रो दिए। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा- मेरा सब बर्बाद हो गया। इस सीएम योगी ने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अभी कुछ दिन पहले ही बहराइच में दो समुदायों के बीच भड़की हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। स्थानीय बीजेपी सांसद

सुरेश्वर सिंह ने कहा है कि गोलीबारी की जांच चल रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। हम घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे। जो अधिकारी इस घटना के लिए जिम्मेदार लग रहे थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। जांच जारी है। हिंसा के बाद योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। बहुजन पार्टी प्रमुख मायावती ने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर उनकी पकड़ पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था चिंताजनक है। प्रशासन की मंशा और नीति पक्षपातपूर्ण नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरी तरह से कानून सम्मत होनी चाहिए ताकि संबंधित मामला न बिगड़े। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने लोगों से शांति की अपील भी की।

वायनाड लोकसभा सीट पर चुनाव की तारीख घोषित

नई दिल्ली। केरल की एकमात्र लोकसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। मंगलवार को चुनाव आयोग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बता दें चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। इसके अलावा देश भर के अलग-अलग राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का भी ऐलान किया। जिन दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, उसमें से एक लोकसभा सीट वायनाड भी है। केरल की वायनाड सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव होगा। बता दें कि इस सीट पर 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी सांसद चुने गए थे। हालांकि राहुल गांधी ने वायनाड के अलावा अमेठी लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ा था। चुनाव के नतीजे सामने आए तो वह दोनों ही सीटों पर चुनाव जीत गए। इसके बाद राहुल गांधी ने अमेठी सीट से ही सांसद रहने का ऐलान किया और उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दिया था। राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के बाद से ये सीट खाली थी। हालांकि चुनाव आयोग ने आज वायनाड लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया। कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस इस बार वायनाड सीट से प्रियंका गांधी को चुनाव में उतार सकती है।

नामी अस्पतालों ने पैर काटने की सलाह दी थी

नई दिल्ली-दिल्ली के जाने-माने राजीव गांधी कैंसर अस्पताल के डॉक्टरों ने सात घंटे की सर्जरी के बाद 64 वर्षीय व्यक्ति के पैर से तीन किलो का एक बड़ा ट्यूमर निकालकर उसके पैर को कटने से बचाया। असहनीय दर्द से जूझ रहे इस मरीज के लिए डॉक्टर भगवान साबित हुए हैं। पैर में तीन किलो के ट्यूमर के कारण लगभग 6 महीने से बिस्तर तक सीमित यह व्यक्ति अब सफल सर्जरी के बाद चलने में सक्षम है। राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र में स्टेज-2 सॉफ्ट टिशू कैंसर- लिपोसारकोमा से पीड़ित एक मरीज की सात घंटे की सर्जरी के बाद ट्यूमर को निकाला गया। ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी और प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. हिमांशु रोहेला और राजन अरोड़ा ने सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व किया।

दिल्ली में होंगे मैतेई-कुकी समुदाय, पहली बार करेंगे बातचीत

नई दिल्ली। मणिपुर में करीब 17 महीने पहले भड़की जातीय हिंसा के बाद संघर्षग्रस्त राज्य में शांति बहाली के प्रयास के तहत पहली बार मेइती, कुकी और नगा समुदायों से विधायक यहां मंगलवार को बैठक करने वाले हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह बैठक गृह मंत्रालय द्वारा मेइती और कुकी समुदायों के बीच मतभेदों को दूर करने, वहां जारी संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने तथा मतभेदों को समाप्त करने के प्रयास के तहत बुलाई गई है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मेइती समुदाय की ओर से विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह और विधायक थोंगम बिस्वजीत सिंह तथा कुकी समुदाय की ओर से लेतपाओ हाओकिप और नेमचा किपगेन (दोनों राज्य मंत्री) शामिल हो सकते हैं। नगा समुदाय का प्रतिनिधित्व विधायक राम मुइवा, अवांगबो न्यूमई और एल. दिखो करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह एवं मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। करीब एक महीने पहले शाह ने कहा था कि मणिपुर में स्थिति को सुलझाने के लिए कुकी और मेइती समुदायों के बीच बातचीत की जरूरत है और केंद्र दोनों समूहों के साथ

चर्चा कर रहा है, जिसके बाद इन समूहों के नेताओं के बीच यह बैठक हो रही है। शाह ने 17 जून को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के दौरान भी ऐसा ही बयान दिया था। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया था कि गृह मंत्री ने राज्य में जारी जातीय संघर्ष को हल करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि ''गृह मंत्रालय जल्द से जल्द दोनों समूहों - मेइती और कुकी से बात करेगा ताकि जातीय विभाजन को पाटा जा सके।'' सूत्रों ने बताया कि बैठक में भाग लेने वाले सभी नगा, कुकी और मेइती विधायकों एवं मंत्रियों को गृह मंत्रालय द्वारा पत्रों तथा टेलीफोन कॉल के माध्यम से आमंत्रित किया गया था। भाजपा के सात विधायकों सहित दस कुकी विधायकों ने इस बीच आयोजित विधानसभा सत्रों में भाग नहीं लिया था। कुकी समुदाय के लोगों की इच्छा के अनुसार, समुदाय के विधायकों ने मणिपुर में जनजातीय लोगों के लिए अलग प्रशासन या केंद्र शासित प्रदेश की मांग पर भी जोर दिया है। इन 10 विधायकों में लेतपाओ हाओकिप और नेमचा किपगेन भी शामिल हैं, जो मणिपुर में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री हैं। मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय को अनुसूचित जाति का दर्जा दिए जाने की उसकी मांग के विरोध में राज्य के पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकता मार्च निकाले जाने के बाद पिछले साल तीन मई को जातीय हिंसा भड़क गई थी। राज्य में तब से जारी हिंसा में कुकी और मेइती समुदायों के 220 से अधिक लोग और सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में बड़ा खुलासा

बाबा सिद्दिकी हत्याकांड से जुड़ी इंडिया टीवी के पास सबसे सटीक और पुख्ता जानकारी मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के सूत्रों और मुम्बई पुलिस की शुरुआती जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। स्पेशल सेल ने मुम्बई पुलिस से जानकारी साझा की है। बाबा सिद्दीकी की हत्या का एक ही मकसद था और वो था सलमान खान और पूरे मुम्बई और मायानगरी मे दशहत पैदा करना। इसके साथ ही उसका मकसद अंडरवर्ल्ड और दाऊद इब्राहिम तक संदेश पहुंचाना भी था। हत्याकांड का दाऊद कनेक्शन भी सामने आया है और दाऊद कनेक्शन की जांच जारी है। शुटर्स 28 दिन में 5 बार बाबा सिद्दीकी के घर और दफ्तर रेकी करने गए थे। बाबा सिद्दिकी के घर और दफ्तर के बाहर आस-पास घंटों रुकते थे शूटर्स और उनकी हर मूवमेंट ट्रैक करते थे। फिर दशहरे का दिन हत्याकांड के लिए चुना गया था। जीशान अख्तर वारदात के वक्त मुंबई से बाहर था। जीशान मुंबई के बाहर से पूरे ऑपरेशन को कॉर्डिनेट कर रहा था।

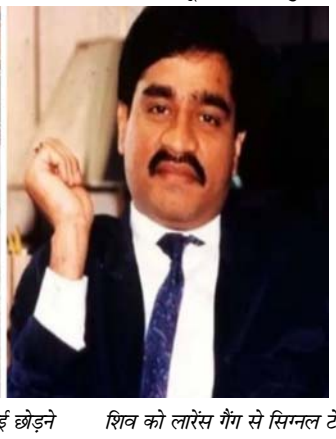

शूटरों को शुभम का भाई प्रवीण पुणे से मुंबई छोड़ने आया था। शूटरों को पैसे शुभम ने दिए थे। बाबा सिद्दिकी को मारने के लिए हथियार पंजाब से आए थे। बरामद 9रूपिस्टल विदेशी है शक पाकिस्तान या नेपाल से यह खेप जीशान तक पहुंची हो। मौके से पक? गए 2 शूटरों के पास 3 मोबाइल बरामद हुए है उसमें कई नंबर बिना सेव के डायल में मिले हैं। नबरों की जांच जारी है। शिव को लारेंस गैंग से सिग्नल टेलीग्राम और स्नैपचैट पर आदेश आ रहे थे। शिव वो जानकारियां बाकी शूटरों से साझा कर रहा था। शूटरों को प्लानिंग के वक्त ही बता दिया था कि टारगेट कौन है उसे क्यों मारना है। शिव को हत्या के बाद उज्जैन के पास ओंकारेश्वर जाना था, जहां उसे लारेंस गैंग के किसी गुर्गे से मिलना था। पंजाब की पटियाला जेल में जिशान अख्तर की मुलाकात गुरमेल से हुई। जिशान ने ही गुरमेल को लारेंस गैंग में शामिल कराया। पुलिस हैरान है कि दशहरे का दिन चुना गया जिस दिन मुंबई के चप्पे चप्पे पर पुलिस बेरिकेट्स सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद होती है। बाबा सिद्दीकी की सुरक्षा में दो सुरक्षाकर्मी होते हैं। घटना के ठीक पहले ही सुरक्षाकर्मियों की शिफ्ट चेंज हो रही थी। फायरिंग के वक्त उनका एक सुरक्षाकर्मी बाबा के साथ मौजूद था पर उसने जवाबी फायरिंग क्यों नहीं की, ये जांच का विषय है। बता दें कि गोल्डी बराड़ कह चुका है कि वो मौका मिलते ही दाऊद को मार देंगे।

नेत्र को रोशनी देना पुनीत कार्य हैः पूर्व कमिश्नर राजीव शर्मा

नेत्र परीक्षण शिविर में 64 मरीज ऑपरेशन हेतु चयनित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । स्वर्गीय सीताराम जोशी एवं स्वर्गीय श्रीमती रामकली जोशी की पुण्य स्मृति पर भारत विकास परिषद शाखा भिंड एवं रतन ज्योति चैरिटेबल फाउंडेशन ग्वालियर के सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर शहर के जोशी पाइप फैक्ट्री,जोशी नगर, इटावा रोड,भिंड में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर में कुल 123 रोगियों की आंखों का परीक्षण करते हुए उनको परामर्श के साथ ही उपचार के लिए दवाईयों का भी निःशुल्क वितरण किया गया। इसके साथ ही शिविर में 64 रोगियों को मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में चयनित मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन के लिए रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर भेजा गया। उनके मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आयुक्त राजीव शर्मा (आईएएस), शिविर संयोजक दशरथ जोशी,भाविप प्रांतीय संयोजक नेत्र परीक्षण डॉ हिमांशु बंसल,भाविप शाखा अध्यक्ष कमलेश सेंथिया,एवं राजीव भार्गव मंचासीन रहे। शिविर का शुभारंभ में अतिथियों द्वारा स्व. जोशी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। पूर्व कमिश्नर राजीव शर्मा ने कहा भारत विकास परिषद मानव कल्याण के लिए कार्य कर रही है, नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद आपरेशन शिविर नर सेवा नारायण सेवा का कार्य है, प्रत्येक व्यक्ति के अंदर सेवा का भाव होता है। भारत विकास परिषद शिविर लगाकर गरीब और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को निःशुल्क आपरेशन करके पुण्य का कार्य कर रहा है। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। श्री सेंथिया नें परिषद द्वारा चल रहे कार्यों की जानकारी दी। तदुपरांत भिंड शहर में नेत्र परीक्षण कार्य की नीम रहे समाजसेवी स्वर्गीय वीरेंद्र जैन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शाखा उपाध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा,शाखा सचिव राजमणि शर्मा,शाखा कोषाध्यक्ष वीरेंद्र जोशी,अश्विनी डंडोतिया विनोद दूरवार,ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सतीश जोशी,शिव मोहन जोशी, गिरजेश बुधौलिया,कौशल शर्मा, एडवोकेट राजकुमार जोशी,मनोज जोशी,राजकुमार बरुआ,शैलेंद्र राजोरिया,रविंद्र देपुरिया आदि सहित गणमान्यजन उपस्थित रहें।

तवा रोड चौराहे से हरदयालपुरी मौ नगर में चल रहा नाले का निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव जी

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

मौ नगर में चल रहा विकास कार्य नगर परिषद की ओर से रतवा रोड चौराहे से हरदयालपुरी तक नाले का निर्माण कार्य चल रहा है जो मेंन रोड से हरदयाल पुरी तक बनाया जा रहा है बहुत ही तेज गति से नगर परिषद द्वारा कई विकास कार्य किये जा रहे हैं अच्छी तरीके से कार्य हो रहा है कि नहीं इसका निरीक्षण करने के लिए नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव जी पहुंचे उन्होंने ठेकेदार रवि शुक्ला को समझाया कि विकास कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी नाले का निर्माण होने के बाद जल्द से जल्द रोड का भी निर्माण किया जाएगा यह निर्माण कार्य लगभग 2 करोड़ की लागत से नगर परिषद द्वारा कराया जा रहा है नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव उनके साथ में वार्ड नंबर 13 के पार्षद सुल्तान मौर्य , नगर परिषद कर्मचारी जसवंत कुशवाह, सह ठेकेदार नंदकिशोर सरपंच, कमलेश जैन, दिलीप कुशवाह,एवं कई मोहल्ला के निवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम, स्वरोजगार योजना के लिए आवेदन आंमत्रित

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पिछडा वर्ग तथा तयअल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा सत्र 2024-25 में मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम, स्वरोजगार योजनान्तर्गत विनिर्माण इकाई के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये है। इनमें मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 01 लाख से 50 लाख रुपये तक ऋण एवं 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जायेगा। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में 10 हजार से 01 लाख रुपये तक ऋण 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जायेगा। मुख्यमंत्री विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु स्वरोजगार योजना में 10 हजार से 01 लाख रुपये तक ऋण राशि, 25 प्रतिशत अनुदान तथा 6 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जायेगा। इन योजनाओं की परियोजना में बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। आवेदक एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम आवेदन कर सकते है। योजना की अधिक जानकारी कार्यालय पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

जनसुनवाई में सुनी 43 आवेदकों की समस्याएं

अधिकारियों को दिये निराकरण करने के निर्देश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 15 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती आकांक्षा करोठिया ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 43 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। जनसुनवाई में बड़वाह तहसील के जैमलपुरा निवासी अंतिम सिटोले शिकायत लेकर आये थे कि पुत्र मोहित सिटोले का आरटीई के तहत नर्मदा वेली इंटरनेशल स्कूल बड़वाह में अध्ययन कर रहा है। उनका कहना है कि स्कूल संचालक द्वारा पुत्र से बार बार स्कूल बस की फीस मांगी जा रही है। साथ ही बुक्स भी बाजार से खरीदना पड़ रहा है। जबकि आरटीई के अंतर्गत छात्र को विद्यालय द्वारा छूट की पात्रता होती है। साथ ही स्कूल द्वारा प्रतिवर्ष स्कूल ड्रेस बदल दी जाती है। आरटीआई के तहत प्रवेश होने के बाद भी भारी भरकम बेग लेकर स्कूल जाना पड़ रहा है। अंतिम सिटोले का कहना है कि दोनों पैरों से विकलांग होने के कारण पुत्र मोहित को पड़ाने में इतना खर्च वहन नहीं कर पा रहा है। अतः उसकी समस्या का निराकरण कर स्कूल संचालक पर कार्यवाही की जाए। जनसुनवाई में कसरावद तहसील के ग्राम पंचायत सत्राटी के श्याम निरगुडे सरपंच सचिव व रोजगार सहायक द्वारा पंचायत में फर्जीवाड़ा करके अपनी मनमानी से कार्य कराने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना है कि ग्राम पंचायत सत्राटी द्वारा तलाई निर्माण, नाली निर्माण, लाड़ली बहना आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना व मानदेय राशियों के बिलों में फर्जी हस्ताक्षर करके फर्जीवाड़ा किया गया है। अतः ग्राम पंचायत सत्राटी को संज्ञान में लेते हुए कार्यवाई।

संजीवनी क्लीनिक से घर के नजदीक मिलेगा निःशुल्क इलाजः ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

काशी नरेश की गली में किया संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। काशी नरेश की गली किला गेट में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत निर्मित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का सोमवार को ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से सब को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार हर व्यक्ति को उसके घर के नजदीक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। इसी उद्देश्य से संजीवनी क्लीनिक खोले जा रहे हैं। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद को घर के नजदीक ही निशुल्क स्वास्थ्य लाभ मिले इसी धारणा से सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में संजीवनी क्लीनिक खोले जा रहे हैं, जहां दवाईयों के साथ साथ कई प्रकार की स्वास्थ्य जाचों का लाभ निशुल्क मिलेगा। इस अवसर पर श्री मनमोहन पाठक, दिनेश सिकरवार, श्री सत्यम दुबे, श्री त्रिलोक शर्मा सहित मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं क्षेत्रीण गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

क़ब्रिस्तान में हुए अवैध क़ब्ज़े को हटाने,गंदे नाले के पानी को रुकवाने दिया ज्ञापन

विदिशा से पवन शर्मा की रिपोर्ट

विदिशा/ बरसों पुराना रामलीला चौराहा स्थित तलैया क़ब्रिस्तान में गंदे नाले का पानी रुकवाने और क़ब्रिस्तान की ज़मीन पर अवैध क़ब्ज़े हटवाने को लेकर ज़िला मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष मुआज़ महमूद कामिल और क़ौमी तंज़ीम के अध्यक्ष सलीम पटेल ,मुस्लिम समाज के अनेकों लोगो के नेतृत्व में ज्ञापन देकर अवैध क़ब्ज़ो पर कार्यवाही,गंदे नाले का पानी रुकवाने की माँग की। जिसमें अब्दुल मजीद मंसूरी,महमूद कामिल,शरीफ़ सिद्दीक़ी, बाबू भाई राईन, चंदू क़ुरैशी, हसीन पठान,वसीम शैख़,रहीम भाई कड़ी वाले,एडवोकेट ज़ाहिद हुसैन, हफ़ीज़ सादिक़, नफ़ीस क़ुरैशी, हफ़ीज़ मोहसीन उमर, एडवोकेट ज़की ख़ान, नवेद आलम क़ुरैशी, इद्रीस मंसूरी, उमेर पठान, शोएब ख़ान माँ, दुलारे भाई, बबलू भाई, ज़ैद मोलना, इक़राम पठान,जावेद क़ुरैशी, आसिफ़ शैख़, फ़ैज़ क़ुरैशी,नोमान अली, आतिफ़ कामिल, अयान पठान,सहित तमाम मुस्लिम समाज के वरिष्ठ लीडर,नोजवान साथी मोजूद रहे।

दतिया आज दिनांक 15 अगस्त 2024 को स्टेडियम ग्राउंड में अचल स्तरीय खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम हुआ संपन्न मुख्य अतिथि रहे विजय झंडा गुरु

संदीप प्रधान पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। भिंड और दतिया नो तहसीलों के 270 बालक बालिकाएं ने लिया भाग लंबी कबड्डी कुश्ती 400 मीटर की रेस 200 मीटर की रेस 100 मीटर की रेस के बच्चों को मेडल एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया यह संस्थाएं आरएसएस संघ के द्वारा चलाई जाती है आज के कार्यक्रम अध्यक्षता विजय झंडा गुरु के द्वारा की गई अंचल के अध्यक्ष केशव दत्त त्रिवेदी अचल की की सचिव सतीश पचौरी कोषाध्यक्ष हरिओम यादव आयुक्त प्रभारी संतोष श्रीवास्तव विवेक त्रिवेदी समिति के प्रभारी विक्रम दांगी महिला समिति की पूनम पवैया अभियान प्रमुख धर्मवीर सिंह उपस्थित रहे।

जीवाजी के दीक्षांत समारोह में दबोह के छात्र का राज्यपाल ने किया सम्मान

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर के होनहार युवा लगातार नगर का नाम रोशन करने में कोई कमी नही छोड़ रहे हैं।और नगर को एक नई पहचान दिलाने की ओर अग्रसर हैं।दबोह के युवा छात्र अमन शर्मा ने इतिहास विषय मे एम ए में प्रथम स्थान प्राप्त कर नगर को गौरवान्वित

किया है।जिसके चलते जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय मंगूभाई छगनभाई पटेल ने अमन को प्रथम स्थान प्राप्त होने पर गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया।ज्ञात रहे कि छात्र अमन शर्मा दबोह नगर के वार्ड नम्बर 09 निवासी रामकुमार महते(लल्ला अरुसी बालो)के नाती और पंकज महते के सुपुत्र हैं जिन्होंने नगर का नाम रोशन किया है।अमन की शुरूआती शिक्षा नगर दबोह में ही हुई हैं।अपनी इस उपलब्धि पर अमन ने बताया कि वह अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता पिता व परिवार को देते हैं जिन्होंने उन्हें शिक्षा में कोई कमी नही छोड़ी और हर कदम पर उनका साथ दिया।वहीं उनके दादा जी रामकुमार महते ने कहा कि यह खुसी सिर्फ हमारी नही बल्कि सम्पूर्ण नगर के लोगो की खुशी है और आशा करता हूँ कि नगर के अन्य छात्र भी ऐसे ही अपने परिवार व अपने नगर का नाम रोशन करेंगे।अमन की इस उपलब्धि पर उनके परिवारजन समेत,मित्रो व शुभचिंतको ने उन्हें बधाई प्रेषित की है।

रिदम म्यूजिकल ग्रुप का कपल सिंगिग प्रोग्राम करवाचौथ स्पेशल मनाया गया

ग्वालियर में रिदम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा होटल सिल्वर ओक में संगीत सध्या के अन्तर्गत कपल सिंगिग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर होटल सिल्वर ओक पटेल नगर पर महिलाओ ने लाजवाब गीतो की प्रस्तुति दी। सभी ने अपने जीवन साथी के साथ खूबसूरत डान्स किया। कार्यक्रम मे चीफ एडमिन कविता शर्मा ने कई नये नये गेम्स कराए एवम पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम मंच का संचालन ग्रुप एडमिन सोनिया तिवारी व अनीता वर्मा ने किया, कार्यक्रम संचालन दीपक वर्मा ने किया और मुख्य ट्रेक का दायित्व यश शर्मा ने संभाला।

संपादक की कलम से

महाराष्ट्र : भय और आतंक के माहौल में चुनाव

बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदे आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। और बहुत कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की सारी पोल खोल दी है।

मुम्बई में यह किस में डर पैदा करने की कोशिश है? महाराष्ट्र में चुनाव हैं और उससे पहले राजनीतिक हत्याओं का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बाबा सिद्दिकी तो राज्य सरकार के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पार्टी में आ गए थे। वाय श्रेणी की सुरक्षा थी मगर फिर भी मारे गए। और वह क्या पुलिस थाने में भाजपा विधायक ने राज्य सरकार में शामिल शिंदे गुट के नेता पर गोलियां चला दी थीं।

अजीत पवार की पार्टी एनसीपी के तो 8 दिन में यह दूसरे नेता की हत्या है। और इस साल में तीसरे नेता की। मुंबई में लंबी लिस्ट है पिछले दिनों हुई राजनीतिक हत्याओं की। गोलियां चलाकर आतंक पैदा करने की। फिल्म एक्टर सलमान खान जो गुजरात में मोदी जी का समर्थन करने गए थे उनके घर के बाहर अभी गोलियां चलाई गईं। और जिस अपराधी लारेंस बिश्नोई पर आरोप है उसने अभी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिमेमेदारी ले ली है। पंजाबी गायक सिद्धु मुसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी गेंग ने ली थी। डबल इंजन की सरकार है। गेंग लीडर लारेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है मगर आश्चर्य वह सुपारी ले रहा है और हत्याएं करवा रहा है।

क्या मतलब है इसका? इतने ताकतवर प्रधानमंत्री राज्य में उनकी सरकार और गुजरात की जेल में बंद एक गेंगस्टर द्वारा मुंबई में एक के बाद एक राजनीतिक हत्याएं! आतंक का माहौल!

किस लिए? चुनाव में किसी को फायदा पहुंचाने के लिए? महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों को यही आशंका है। सबसे प्रमुख विपक्षी दल शिवसेना यूबीटी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा है कि इस हत्या ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की कलई खोल दी। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इसे मुख्यमंत्री की विफलता बताया है। उन्होंने गृह मंत्री देवेन्द्र फडणवीस को बर्खास्त करने की मांग की है। उद्धव ठाकरे की पार्टी की ही राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कड़े सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर सत्ता पक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो फिर महाराष्ट्र में कौन सुरक्षित है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राज्य का लूटने में लगे हैं उन्हें कानून व्यवस्था की कोई चिंता नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा में इतनी देर क्यों की जा रही है?

यही मुख्य सवाल है। चुनाव में देर क्यों की जा रही है? क्या राज्य में डर व आतंक का वातावरण बनाने के लिए? गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गेंगस्टर कैसे इतना ताकतवर हो सकता है कि डबल इंजन और गुजरात में भी सरकार है तो ट्रिपल इंजन की सरकार कह सकते हैं वह देश के हर राज्य में और विदेश में कनाडा तक में हत्याएं करवा रहा हो और महाराष्ट्र गुजरात की राज्य सरकारें केन्द्र सरकार कोई कुछ नहीं कर पा रहा हो?

कोशिश यही है कि महाराष्ट्र में विपक्ष में इतना डर और आतंक पैदा कर दो कि वह ठीक से चुनाव ही नहीं लड़ पाए। क्या यह संभव है? राहुल गांधी को डराया जा सकता है ? उद्धव ठाकरे को कोई डरा सकता है ? शरद पवार किसी से डरेंगे?

संभव ही नहीं है। यह सारी कोशिशें बेकार जाएंगी। उल्टे महाराष्ट्र में यह संदेश जाएगा कि मोदी एकनाथ शिंदे अजीत पवार यह कोई उन्हें सुरक्षा नहीं दे सकता है। यह सब इन्हीं की जेल में बंद एक गेंगस्टर के सामने लाचार हैं। राज लारेंस बिश्नोई का चल रहा है प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार का नहीं।

सोचिए तीन बार के एमएलए, राज्य सरकार में मंत्री रहे, बेटा जिशान सिद्दीकी अभी भी एमएलए और उप मुख्यमंत्री की अजीत पवार की पार्टी में शामिल फिर भी दशहरे के दिन, भीड़ भाड़ वाले इलाके बान्द्रा ईस्ट इलाके में शाम को गोली मार दी जाती है। बाबा सिद्दकी कोई सामान्य नेता नहीं थे। हर पार्टी में सब उन्हें जानते थे। फिल्म स्टारों में उनकी पूछ थी। जिन्दगी भर कांग्रेस में रहे अभी इसी साल के शुरू में अजीत पवार की पार्टी में गए थे। बिहार के रहने वाले थे। मगर मुंबई में आकर जैसे बहुत सारे दूसरे लोगों ने कांग्रेसी बनकर अपना उद्धार किया था वैसे ही वे भी थे। जब केन्द्र और राज्य दोनों जगह कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई तो वे सत्ता में शामिल अजीत पवार के साथ चले गए।

जाते तो कांग्रेस छोड़कर बहुत सारे लोग हैं मगर एकाध ही होता है जो जाने के बाद कांग्रेस पर सोनिया राहुल पर गंदि आरोप नहीं लगता। प्रियंका चतुर्वेदी एक उदाहरण हैं। बाकी लोग तो अपने स्वार्थों से गए मगर प्रियंका चतुर्वेदी के साथ तो बदतमीजी हुई थी। उन्होंने पार्टी में ही रुककर इसकी शिकायत भी की। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई तब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी। लेकिन छोड़ने के बाद कभी कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोला। बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदि आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। और बहुत कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की सारी पोल खोल दी है। राहुल की और कांग्रेस की यही खासियत है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। खाली महाराष्ट्र की ही बात की जाए तो यहां से कितने कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी छोड़ी? गिनते जाइए! लंबी लिस्ट है। और सब वह हैं जो दूसरे राज्यों से साधारण हैसियत से आकर यहां कांग्रेस में शामिल हुए और नाम, नामा रसूख सब बनाया। वैसे सबको सम्मान दो के सिद्धांत पर हम साधारण हैसियत लिख रहे हैं नहीं तो कुछ भी नहीं कि स्थिति में कांग्रेस में आए थे।

रतन टाटा : आम आदमी के उद्योगपति का अंतिम प्रयाण !

- श्रवण गर्ग
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

रतन टाटा ने सात अक्टूबर को एक अत्यंत आत्मीय ट्वीट अपने उन लाखों-करोड़ों शुभचिंतकों की चिंताओं को शांत करने के लिए किया था जो मुंबई के प्रसिद्ध ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उनके भर्ती हो जाने से परेशान हो गए थे। रतन टाटा को जानकारी थी कि लोग उन्हें बेपनाह चाहते हैं ! रतन टाटा ने ट्वीट में कहा था कि उनके स्वास्थ्य को लेकर चल रही अफवाहें बेबुनियाद हैं। वे उम्र के साथ जुड़ी मेडिकल समस्याओं की जाँचें हॉस्पिटल में करवा रहे हैं। चिंता करने के कोई कारण नहीं हैं। वे पूरी तरह ठीक हैं। दो दिन बाद नौ अक्टूबर की रात रतन टाटा अपने करोड़ों चाहने वालों को अकेला छोड़कर चुपचाप चले गए।

रतन टाटा के जाने से उत्पन्न हुई रिक्तता को महसूस करने के लिए दो बातों का होना जरूरी लगता है। पहली तो यह कि उस काल को जीया गया हो जिसमें संपन्नता की देशव्यापी परिभाषा टाटा-बिड़ला बन जाना ही मानी जाती थी, कुछ और बनना नहीं ! टाटा-बिड़ला के नाम भारतीय उद्योग में राष्ट्रवाद, गुणवत्ता और व्यावसायिक ईमानदारी के प्रतीकों के रूप में स्थापित हो गए थे। रतन टाटा उसी राष्ट्रीय पहचान के अंतिम मील के पत्थर थे।

रतन टाटा एक उद्योगपति के अलावा भी ऐसे बहुत कुछ थे जो अन्य उद्योगपति नहीं हैं, हो भी नहीं पाएंगे ! रतन टाटा की कमी को महसूस करने के लिए उद्योग-व्यवसाय और राजनीति के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के पतन की कुछ और पीढ़ियों के सामर्थ्य के साथ रूबरू होना पड़ेगा।

रतन टाटा की कमी को महसूस करने के लिए दूसरी जरूरी बात यह है कि उनके भीतर की सादगी,विनम्रता और अपनी उपलब्धियों के प्रति निर्विकार भाव रखने को नजदीक से पढ़ पाने के कितने अवसर हम सहजता से प्राप्त कर पाए हैं ? साल 1985-86 से 2009 के बीच की अवधि में ऐसे चार मौके आए जब रतन टाटा को विभिन्न स्वरूपों में देखने-समझने का अवसर मिला, संपन्नता के बीच समाई उनकी सादगी से साक्षात्कार हुआ।

इंदौर के निकट देवास में टाटा एक्सपोर्ट्स (टाटा इंटरनेशनल) की स्थापना 1975 में हुई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर की यह लेदर और फूटवियर एक्सपोर्ट इकाई भी रतन टाटा के व्यक्तित्व की तरह ही तभी से बिना कोई शोर किए उत्पादन में जुटी हुई है।पिछले पचास सालों के दौरान रतन टाटा ने कुल जमा दो बार ही इसे भेंट दी होगी ! रतन टाटा से पहली बार मुलाकात टाटा एक्सपोर्ट्स की उनकी दूसरी विजिट के दौरान ही हुई थी। तब मैं फ्री प्रेस जर्नल,इंदौर में कार्यरत था। रतन टाटा से मैंने बातचीत के लिए अनुरोध किया और उन्होंने सहजता से स्वीकार कर लिया।

रतन टाटा से दूसरी मुलाकात भोपाल में हुई थी। यह मुलाकात बाद में कई कारणों से यादगार बन गई ! मैं तब दैनिक भास्कर में कार्यरत था। रतन टाटा भास्कर समूह के शैक्षणिक उपक्रम संस्कार वैली स्कूल के उद्घाटन समारोह में भाग लेने भोपाल पहुँचे थे। श्रीमती सोनिया गांधी उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि थीं। राहुल गांधी भी उनके साथ आए थे।

रतन टाटा को तब भोपाल के प्रमुख होटल जहांनुमा पैलेस होटल में ठहराया गया था। होटल में नाश्ते पर उनके आतिथ्य की ज़िम्मेदारी मुझे दी गई थी। नाश्ते की टेबुल पर अत्यंत सहजता से बैठे रतन टाटा के साथ लंबी और अनौपचारिक बातचीत का सुख उसी मुलाकात में प्राप्त हुआ था। उस मुलाकात की एक बात जो आज भी याद है वह यह कि मैं उनकी बगैर अनुमति के बातचीत को रिकॉर्ड कर रहा था। बीच बातचीत उन्होंने अचानक पूछ लिया था आप रिकॉर्ड तो नहीं कर रहे हैं ना ? और मैं अपराध भाव से भर गया था। मैंने तत्काल रिकॉर्डिंग बंद कर दी थी और जो रिकॉर्ड हुआ था उसे बगैर सुने सारा डिलीट कर दिया था।बातचीत बाद में पूर्ववत जारी रही थी।

रतन टाटा की भोपाल यात्रा का ज़िक्र एक और महत्वपूर्ण बात के लिये जरूरी है ! वह यह कि तब 68-वर्षीय रतन टाटा मुंबई में हो रही भारी बारिश के बावजूद अपना फाल्कन जेट स्वयं उड़ाकर भोपाल पहुँचे थे और उनके चेहरे पर कोई थकान नहीं थी।

रतन टाटा से तीसरी मुलाकात साल मार्च 2009 में मुंबई स्थित उनके ही होटल ताज में आयोजित एक विशेष पत्रकार वार्ता में हुई थी।अवसर था उनके सपनों की स्माल कार Nano को औपचारिक रूप से लॉंच किए जाने का। Nano पश्चिम बंगाल और गुजरात के बीच उत्पन्न हुई कई बाधाओं को पार करते हुए आम आदमी के दरवाजों तक पहुँचने वाली थी।

टाटा मोटर्स ने 2006 में पश्चिम बंगाल के सिंगूर में ठंल्लङ्घ का प्लांट लगाने की घोषणा की थी पर ममता-समर्थित किसान आंदोलनके चलते प्लांट को गुजरात शिफ्ट करना पड़ा था। पत्रकार वार्ता में रतन टाटा ने सिंगूर विवाद को लेकर कोई कटुता नहीं व्यक्त की थी।

रतन टाटा भी कहीं नजदीक ही उपस्थित हैं ऐसा महसूस करने का आखिरी अवसर नवम्बर 2009 में वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में मिला था। राष्ट्रपति बनने के बाद बराक ओबामा ने उनका पहला राजकीय अतिथि बनने का सम्मान डॉ मनमोहन सिंह को प्रदान किया था। डॉ मनमोहन सिंह की प्रेस पार्टी के एक सदस्य के रूप में उस अद्भुत दृश्य का साक्षी बनना इसलिए अविस्मरणीय बन गया कि दोनों देशों के शासनाध्यक्षों की प्रेस वार्ता और बराक द्वारा डॉ सिंह के गुणों के बखान के समय भारत और अमेरिका की जो तमाम औद्योगिक हस्तियाँ व्हाइट हाउस के विशाल हॉल में खड़ी हुईं थीं उनमें रतन टाटा भी थे।

रतन टाटा की अनुपस्थिति भारतीय उद्योग जगत की निष्ठुर हो चुकी आत्मा एकदम से महसूस नहीं कर पाएगी !

उ स ा क ा

एक बड़ा कारण यह है कि डॉ मनमोहन सिंह के कद की हस्तियों अब सत्ता के शिखरों पर विद्यमान नहीं हैं। जो लोग सत्ता में हैं उन्होंने अपने नये उद्योग-मित्र और भारत रत्न चुन लिये हैं। पर भारत में जब-जब भी औद्योगिक उत्कृष्टता और व्यावसायिक नैतिकता का ज़िक्र होगा आम आदमी के उद्योगपति रतन टाटा का चेहरा ही आँखों के सामने तैरेगा !

सीरवी समाज तुपरान वडेर में नवरात्रि महोत्सव में हुए अनेक धार्मिक कार्यक्रम

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद। सीरवी समाज तुपरान बडेर में नो दिन तक चले नवरात्रि महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। गुरूवार के दिन सुबह मंदिर में आयोजित हवन में अखंड व्रतधारियों ने विधि-विधान पूर्वक 11 सजोड़े ने पूर्णाहुति दी। इस अवसर पर कन्याओं का पूजन किया गया। कन्याओं को बैठाकर उनके पैर धोएं उन्हें भोजन करावाकर दक्षिणा दी। कन्याओं की आरती कर उन्हे देवी की तरह पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नो दिन गरबा का आयोजन किया गया। वडेर प्रांगण में मां दुर्गा का दरबार सजाकर माता की आराधना और भक्ति के बाद देर रात तक गुजराती गरबो की धुनों पर महिलाएं पुरूष तथा बच्चे कदम से कदम मिलाकर थिरकते नजर आए। गरबा पंडाल में आकर्षक विद्युत सजावट भी की गई। पंडाल में विराजित अम्बे माता की आरती के साथ गरबा का दौर देर रात चलता रहा। पारंम्परिक वेशभूषा के साथ गरबा पंडाल में महिलाओं व नन्हे मुन्हे बच्चे रंग-बिरंगे कपडे पहनकर डिस्को डांडिया की रंगत का जमकर लुफ्त उठाते नजर आए। नो दिन तक भक्तों के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव दीपचंद गहलोत के पुत्र भरत चन्द गहलोत एम.ए.एम.बीए. अपोलो मेडिकल कॉलेज की परिक्षा पास कर सरकारी नौकरी मिलने पर संस्था की ओर माला साफा पहनाकर बहुमान किया गया। अध्यक्ष लिखमाराम मुलेवा ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। सचिव दीपचंद गहलोत के धन्यवाद ज्ञापित से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर नवयुवक मण्डल,महिला मंडल, कार्यकारिणी सदस्य आदि मौजूद रहे।

भाजपा की शीला मौसी की पहचान

@ राकेश अचल
******

माँ के बाद रिश्तों में या तो मामा महत्वपूर्ण होते हैं या फिर मौसी। मौसी के गुण माँ से भी ज्यादा होते है। मौसी जिम्मेदार और चपल होती है, इसलिए हमारे यहां यदि चन्दा कोमामा कहा जाता है तो बिल्ली कोमौसी माना जाता है। हमारे हमनाम किसान नेता राकेश टिकैत ने ईवीएम को भाजपा की मौसी कहकर इसका महत्व एक बार फिर बढ़ा दिया है।

भारत में ईवीएम हमेशा से विवादास्पद रही है। इसके साथ विवाद इसके जन्म से ही जुड़े हैं, किन्तु भाजपा के शासन में इसे लेकर विवाद और शंकाएं चरम पर है। हर छोटे -बड़े चुनाव के बाद ईवीएम पर ऊँगली उठाई जाती है। हरियाणा और जम्मू-काश्मीर विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद हालाँकि कांग्रेस ने ईवीएम को लेकर कोई गंभीर बात नहीं कही, लेकिन किसान नेता राकेश टिकैत ने ईवीएम को भाजपा की मौसी बताकर एक बार फिर पुराणी और मंद पड़ चुकी बहस को दोबारा जिंदा कर दिया है।

आपको याद होगा कि एग्जिट पोल से लगा कि हरियाणा में कांग्रेस आराम से सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। फिर नतीजों वाले दिन रुझान आने शुरू हुए तो भी यही लग रहा था कि कांग्रेस राज्य में सरकार बना रही है, लेकिन दोपहर होते-होते पासा पलट गया और बीजेपी ने पिछली बार से भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने दम पर बहुमत हासिल कर लिया। लगातार तीसरी बार हरियाणा में एक ही पार्टी की सरकार होना ऐतिहासिक है।

राकेश टिकैत टिकाऊ किसान नेता है। उनके पिता भी किसान नेता थे। इस तरह आप उन्हें परिवारवादी किसान नेता कह सकते हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि दिल्ली में हुए आंदोलन के दौरान सभी पार्टी की विचारधारा वाले लोग इसमें जुड़े थे, मगर हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों का गणित समझ नहीं आया।अब यदि मतदाता को ही नतीजे समझ में न आये तो ईवीएम पर सवाल खड़े होना लाजमी है। ये सवाल भी किसी राजनीतिक दल ने नहीं बल्कि किसान नेता कि और से उठाये गए हैं, इसलिए इहें गंभीरता से लेने कि जरूरत है, लेकिन इन्हें गंभीरता से लेगा कौन ?

ईवीएम भाजपा कि मौसी है या नहीं ये तो भाजपा जाने,केंचुआ जाने या टिकैत साहब जाने। हम तो इतना जानते हैं कि - दाल में कुछ न कुछ तो काला है, अन्यथा जो चीज सतह पर दिखाई दे रहीं थी वो मशीन में क्यों नहीं दिखाई दी ? कांग्रेस कि हवा,कांग्रेस कि आंधी और कांग्रेस कि सुआमी भाजपा कि सुनामी कैसे हो गयी। मध्यप्रदेश में भी यही हुआ और छत्तीसगढ़ में भी। राजस्थान में भी कमोवेश वैसे ही नतीजे मिले जैसा किभाजपा चाहती थी। राजनीतिक शोले फिल्म के नायकों कि तरह भाजपा के नायकों ने भी कहानी को अप्रत्याशित मोड़ दिया है।

आप मने या न मानें लेकिन मै मानता हूँ कि मौसी आखिर मौसी ही होती है। माँ लाख साथ न दे किन्तु मौसी अपने भतीजों को असली मा से ज्यादा दुलार देती है। जब तक भाजपा के सर पर ईवीएम मौसी का पल्लू है तब तक भाजपा भाजपा कोई चुनाव हारने वाली नहीं है, फिर चुनाव किसी छात्र संगठन का हो या विश्वविद्यालय का। शुरू में ईवीएम को लेकर कांग्रेस और दूसरे गैर भजपा दलों ने मामले को सुप्रीम कोर्ट तक घसीटा किन्तु जब बात नहीं बनी तो वे भी ईवीएम को कोसना भूल गए।अब हर कोई ईवीएम से निकले हर जनादेश को सर माथे रख रहे हैं। लेकिन मै उस जमात से हूँ जो हर विवादास्पद मशीन के ऊपर आज भी संदेह करती है। शक करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। जिस दिन शक कि सुई बंद हुई, उस दिन समझ लीजिये कि हम भी हम नहीं रहेंगे।

दुनिया के अंग्रेज मौसी को मौसी नहीं बल्कि आंटी कहते हैं, लेकिन हम तो मौसी को मौसी ही कहते है।

जब तक हमारी मौसी जिंदा थीं तब तक हम भी अपने आपको महफूज समझते थे। अब हम भी कांग्रेस कि तरह बिना मौसी वाले है। कांग्रेस के पास मशीन तो है कजिन नौसी ब्रांड नहीं है । मौसी हम इंसानों को ही नहीं भगवान जगन्नाथ को भी बहुत प्रिय होतीं है। पद्म पुराण के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की बहन ने एक बार नगर देखने की इच्छा जताई. तब जगन्नाथ और बलभद्र अपनी लाडली बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने निकल पड़े. इस दौरान वे मौसी के घर गुंडिचा भी गए और यहां सात दिन ठहरे. तभी से जगन्नाथ यात्रा निकालने की परंपरा चली आ रही है. नारद पुराण और ब्रह्म पुराण में भी इसका जिक्र है. मान्यताओं के मुताबिक, मौसी के घर पर भाई-बहन के साथ भगवान खूब पकवान खाते हैं और फिर वह बीमार पड़ जाते हैं. उसके बाद उनका इलाज किया जाता है।

ईवीएम मौसी ने भी पिछले दस साल में भाजपा को बहुत ज्यादा खिला-पिला दिया है। अब भाजपा भी बीमार है। अब उसके भी इलाज की जरूरत है। जनता भाजपा का इलाज करती और कराती भी है लेकिन ईवीएम मौसी झड़े में कचड़ा फैला देतीं है। देश कि सबसे बड़ी अदालत भी मौसी के बारे में न कुछ कहना चाहती है और न सुनना चाहती है। ऐसे में टिकैत खूब गागरोनी गाते रहें सुनता आखिर कौन है। भाजपा ही नहीं किसी भी राजनीतिक दल या नेता का इलाज कोई डाक्टर नहीं बल्कि जनता ही कर सकती है। हमें उम्मीद है कि एक न एक दिन मौसी का इलाज होगा। तब शायद नतीजे दूसरे तरीके से आने लगें। राजनीती में मौसी भी हैं और फूफा भी। फूफा के बारे में फिर कभी।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने कार्यभार ग्रहण किया

कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात

विदिशा नवागत पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने आज कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह से उनके चेम्बर में पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की है।

धूमधाम निकाला गया गौसे आजम की शान मे जलूस

पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर ग्यारव्ही के मौड़े पर सरकार गौसे आजम की शान मे सुबह से ही मुस्लिम समाज ने जलूस की तैयारी कर ली थी दोपहर मे मुहल्ला गोबिंदनगर से जलूस की शरुआत हुई जो आजादचौक मोहल्ला नदीपुरा मे एकत्रित हुआ फिर एक साथ दोनों मुहल्ले का जलूस धूमधाम से आगे बड़ा जो दरगाह बाबा सदनशाह तक गया जलूस का मुहल्ला मुहल्ला नदीपुरा मे लंगर बाटकर नौजवानों ने इस्तड़बाल किया साथ रास्ते मे इस्तड़बाल के लिए स्टाल भी लगाए गए जलूस मे सरकार गौसे आजम की शान मे नात पड़ते हुए लोग दरगाह सदन शाह तक पहुचे जहाँ जलूस का समापन हुआ जलूस मे मुख्य रूप से शहर पेश ईमाम हाफिज मुबीन साहब जनाब असलम कुरैसी. मुस्ताक खान. पत्रकार जावेद किरमानी. रफीक अली कॉंग्रेस नगर अध्यक्ष. हबीब खान . रज्जव अली झाटिम. अब्दुल वारी. इसरार मंसूरी डब्बू. बंटी अली. हाफिज आबिद रजा. हाफिज सोहेल. ईसूब चचा. बाहिद अली. नूर मुहम्मद मंसूरी. आरिस अली. अज्जू बाबा. एवं शहर के सभी मस्जिदों के ईमाम हजरात मौजूद रहे

रीवा कलेक्ट्रेट का बाबू 1000 की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भूमि मुआवजा अवार्ड का भुगतान करने मांगी रिश्वत

कलेक्ट्रेट के भू अर्जन शाखा में तृतीय श्रेणी कर्मचारी के रूप में पदस्थ है आरोपी, लोकायुक्त की कार्रवाई से मचा हड़कंप

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय में लोकायुक्त की टीम ने कलेक्ट्रेट के बाबू के कर्मचारी हीरामणि तिवारी को 1000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है लोकायुक्त द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय करने के एवज में 2500 की रिश्वत फरियादी सुनील पांडे निवासी मनगवा से मांगी थी। फरियादी के मुताबिक कि यह कार्यवाही रीवा लोकायुक्त गोपाल सिंह धाकड़ के निर्देश पर डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार के नेतृत्व में 12 सदस्य टीम ने मिलकर की है। लोकायुक्त के मुताबिक फरियादी ने बाबू हीरामणि तिवारी के खिलाफ भूमि मुआवजा अवार्ड की राशि का भुगतान करने के बाद में रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी बताया गया की ?1500 पूर्व में ही लिए जा चुके थे जबकि 1000 की ओर मांग की जा रही थी। फरियादी की शिकायत का सत्यापन कराए जाने के बाद आप सही पाए गए इसके बाद संयोजित तरीके से ट्रैप की इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया और जैसे ही फरियादी रीवा कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित भू अर्जन शाखा में पदस्थ बाबू को रिश्वत की रकम देता है तभी मौजूद लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथ बाबू को धर दबोचा। फिलहाल मामले में बाबू के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है और आगे कार्यवाही की जा रही है।

को ?1000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है यह कार्यवाही मंगलवार की दोपहर कलेक्ट्रेट स्थित भू अर्जन शाखा में की गई है जहां भू अर्जन कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड तीन में की गई इस कार्यवाही के बाद से हड़कंप मचा हुआ है फिलहाल यह कार्यवाही जारी है। बताया गया है कि बाबू ने रिश्वत की यह रकम भू मुआवजा अवार्ड की राशि 262997 का भुगतान आरोपी बाबू उक्त मामले में ?1500 एडवांस्ड बतौर रिश्वत ले चुका था जबकि बची हुई रकम मांगने पर उसने मामले की शिकायत लोकायुक्त कार्यालय रीवा में दर्ज कराई थी बता दे

चोरहटा थाना के रानी तलाव में संदिग्ध अवस्था में मिला युवक का शव परिजनों को हत्या की आशंका

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत रानी तालाब में एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है जिसके बाद परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है ,घटना की सूचना पर चोरहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची है, और शव को तालाब से निकालकर अपने कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि मृतक प्रांजल पांडे उम्र 30 वर्ष निवासी संजय नगर थाना सामान जिला रीवा का शव मंगलवार की दोपहर चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत रानी तालाब में तैरता हुआ पाया गया है। बताया गया है कि चोरहटा में तालाब के बगल में स्थित मंदिर में मृतक का ननिहाल है। वहीं परिजनों ने बताया कि मृतक प्रांजल पांडे इंदौर में पढ़ाई करता था और कुछ दिन पूर्व ही वह रीवा आया हुआ था जहां से वह अपने दोस्त के साथ सिंगरौली गया हुआ था। मृतक के परिजनों ने बताया कि बीती रात प्रांजल की बात उसकी मां से हुई थी जिस दौरान प्रांजल ने बताया कि वह सिंगरौली में अपने दोस्त के पास है जहां वह खाना बना रहा है लेकिन अगले दिन मंगलवार को उसके ननिहाल में चोरहटा स्थित रानी तालाब में उसका शव मिला वहीं मृतक की जेब में मोबाइल व अन्य सामान गायब है। जिसके बाद परिजनों ने हत्या किया शंका व्यक्त की है वही पुलिस इस पूरे मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ जाने के बाद ही युवक के मौत का कारण सामने आ सकेगा।

मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर की गई कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा नापतौल विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए बंगाल स्वीट की ग़ल्ला मंडी स्थित कारख़ाने का निरीक्षण किया गया जहाँ पर जाँच हेतु रबड़ी एवं छैना रसगुल्ला के नमूने जाँच हेतु लिए गए। वेट मशीन में सील न होने से एक काँटा ज़ब्त भी किया गया। इसके पश्चात टीम द्वारा कान्हा स्वीट्स धौंबिया टंकी पर निरीक्षण कार्य किया गया जहाँ मिल्क केक, बर्फ़ी, लड्डू, कलाकंद का नमूना लिया गया। इसके पश्चात तीसरी कार्रवाई जय डेयरी एक्सटेंशन काउंटर इलाबाद रोड पर की गई जहाँ लाइसेंस नहीं पाया गया संचालक विवेक सिंह के विरुद्ध बिना लाइसेंस व्यापार करने से खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है प्रतिष्ठान से जाँच से मावा एवं छैना की मिठाई के नमूने लिए गए हैं। रीवा शहर में मानिकपुर क्षेत्र से बडकू, बबलू ,िचनाउ , नीरज आदि व्यापारी मावा इकट्ठा करके रीवा शहर में सप्लाई कर रहे हैं । त्योहारों के समय जब विशेष जाँच अभियान चलाया जाता है तो ये लोग ट्रेन से आना बंद कर देते हैं और प्राइवेट गाड़ियों में माल लाद कर चोरी छुपे सप्लाई कर रहे हैं । मावा सप्लायरों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया है। जाँच टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अम्बरीश दुबे एवं साबिर अली नापतोल विभाग से विजय खतरेकर सम्मिलित रहे ।

अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा ने मनाई शरदोत्सव पूर्णिमा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा जिला इकाई रीवा के तत्वावधान में स्थानीय सेलिब्रेशन होटल में शरदोत्सव पूर्णिमा भारतीय परंपरा के अनुसार गरिमामय तरीके से उल्लास,उमंग के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर महिलाओं ने आकर्षक परिधानों से सुसज्जित होकर नाच-गाने का कार्यक्रम किया।सभी महिलाओं ने कृष्ण-राधा संग रास रचाया।तत्पश्चात कई प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।जिसमें सभी प्रतियोगियों ने दूधिया रोशनी के समान लड्डू गोपाल को सजाया।जिसमें वृंदावन की छटा नजर आई।प्रतियोगिता में संध्या अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।महिलाओं ने मनोरंजनात्मक गेम हौजी में जमकर आनंद लिया।इस पवन अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा की प्रांत अध्यक्ष श्रीमती मीना अरुण बंसल ने कहा कि हिन्दू धर्म में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा का पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन शरद पूर्णिमा की रात बहुत खास मानी जाती है, क्योंकि इस रात चांद पूरी तरह से चमकता है यानी कि चांद 16 कलाओं से पूर्ण होकर रातभर अपनी किरणों से

मनाया जाता है।इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने का विधान है।हिन्दू धर्म में अमृत वर्षा करता है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को सुख- समृद्धि की प्राप्ति होती है।साथ ही सभी कष्टों से छुटकारा मिलता है।शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी भूमिलोक पर भ्रमण करने के लिए आती है।इसलिए इसे कोजागर पूर्णिमा भी कहते हैं।इस दिन भगवान कृष्ण ने अपनी गोपियों के संग रास रचाया था।सभी महिलाओं ने एक दूसरे को शरद पूर्णिमा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती मीना बंसल, अनीता अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, राखी अग्रवाल, शिप्रा अग्रवाल, लता संथालिया, सुनीता चमड़िया, संध्या अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, रक्षा अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, रानू अग्रवाल, खुशबू संथालिया, शैलजा अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, चंचल चमड़िया, उषा अग्रवाल, वंशिका अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल आदि महिलायें उपस्थित रहीं। उक्ताशय की जानकारी अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के रीवा जिलाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने दी।

अमहिया पुलिस ने शातिर मोटरसाइकिल चोर को मोटरसाइकिल सहित किया गिरफ़्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय, श्री अनिल सोनकर, नगर पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ रितु उपाध्याय के मार्गनिर्देशन मे थाना प्रभारी अमहिया उप निरीक्षक शिवा अग्रवाल एवं स्टाफ द्वारा स्तरू। परिसर से दिनांक 05/10/2024 को चोरी गई 01 मोटर सायकल को जप्त कर आरोपी रामकृष्ण यादव उर्फ कृष्णा पिता रामकृपाल यादव उम्र 26 वर्ष निवासी रौसर थाना चोरहटा जिला रीवा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी–1- रामकृष्ण यादव उर्फ कृष्णा पिता रामकृपाल यादव उम्र 26 वर्ष निवासी रौसर थाना चोरहटा जिला रीवा

जप्त मसरुका–1- एक अदद काले लाल रंग की होण्डा स्प्लेंडर मोटर सायकल कीमती - 95000/-

महत्वपूर्ण भूमिका– थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, प्र.आर. रामकृष्ण तिवारी, प्र.आर. श्यामलाल पाठक , आर. पीयूष मिश्रा, आर. विक्रम वर्मा, आर. विजय साहू, आर. विकास तिवारी, की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अयोध्या बने रीवा नगर में हुआ शानदार स्वागत, धर्मपरिवार गरबा पुरस्कार वितरण, भंडारा के साथ मनाई गई खुशियाँ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवाद्य/हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार द्वारा आयोजित गरबा महोत्सव- 2024 के कलाकारों को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मे के परिदृश्य को साकार करने नगर वासियों को शुभकामनायें एवं साधुवाद दिया। स्वागत उद्बोधन धर्म परिवार के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मगू ने करते हुये कहा, धर्मपरिवार सभी धार्मिक उत्सव को भव्य रूप प्रदान कर यादगार बनाने के लिये सदैव प्रयास करता रहेगा। उन्होंने उपस्थित युवा कलाकारों से कला संस्कृति से जुड़ने के साथ ही संस्कारवान व शिक्षित बन कर अच्छा नागरिक बनने की अपील की, वहीं संस्थापक-संरक्षक नारायण डिगवानी व सुनील अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा धर्मपरिवार के सभी सदस्यों, नगर वासियों को सहयोग के लिये धन्यवाद दे।

हुये उज्?जवल भविष्य की शुभकामनायें दी। आभार प्रदर्शन मंच के कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश तोमर तथा कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा एवं सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू ने किया। उक्त जानकारी धर्मपरिवार के महासचिव सुरेश विश्नोई एवं युवा अध्यक्ष सुमित मांजवनी ने दी व बताया कि श्रीराम धर्म विजय यात्रा का भ्रमण के दौरान समूचे नगर में शानदार स्वागत किया गया तथा जगह-जगह मिष्ठान वितरण के साथ श्री राम के जयकारे लगा के आकाश गुँजा दिया। व्यंकट बाजार में सिधु यूथ विंग्स के अध्यक्ष सचिन डूडानी और साथियों द्वारा, स्टेचू चौक पर दिलीप ठारवानी तथा ताला हाउस मार्ग में संजय तिवारी मुन्नू युवा सरक्षक द्वारा अपने साथियों के साथ भव्य स्वागत एवं स्वलपाहार का वितरण किया गया। श्री राम की शोभायात्रा सायं 5 बजे मानस भवन से प्रारंभ होकर.सायं 6 बजे वापस पहुंची। यात्रा का शुभारंभ मानस मंडल के समिति के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू, महिला संरक्षिका श्रीमती संतोषी गुप्ता ने पूजा-अर्चना-आरती के साथ दिया। शोभा यात्रा वापस आने के बाद वहाँ उपस्थित भगवान श्रीराम सीता माता का भरत और शत्रुधन ने भावपूर्ण अगवानी करते हुये चौदह वर्ष के बिछोह के पश्चात मिलन का दृश्य उत्पन्न किया जिससे उपस्थित जनसमुदाय की आँखें भी अश्रु बहाने लगीं। मानस भवन में श्रीराम दरबार की आरती शास्ति वाचन के साथ हुई, जिसके दर्शन करने और आशीर्वाद लेने लोग लालायित रहे। गरबा महोत्सव - 2024 में शामिल गरबा ग्रुपों के प्रमुख साथ सभी कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस वर्ष शामिल डॉस ग्रुपों में डीसेंट, बादल, साइनिंग, आर0डी0 सी, अविनाश, ब्लैक पैंथर, स्ट्रीट फाइटर, स्टाइलिश, लर्निंग, सत्यम, जय माता दी, हिमालय **सहित सभी को धन्यवादक**-साधु पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशाल भंडारे के साथ अगले वर्ष पुनः नई ऊर्जा और उत्साह के साथ गरबा महोत्सव में भाग लेने के साथ कार्यक्रम

प्रारंभ की गई श्री राम, धर्म विजय? यात्रा से विंध्य की धरा पर नई परम्परा की शुरुआत हुई है जो भविष्य में विशाल रूप ग्रहण कर रामभक्तों के लिये नही सौगात सिद्ध होगी। यह भावभीन उद्गार सोमवार को मानस भवन में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने व्यक्त किये। अध्यक्षता, डाक्टर सीबी शुक्ला ने करते हुये धर्मपरिवार को आयोजन के लिए बधाई दी। विशिष्ट अतिथियों में ड. केके परोहा श्री राम के अयोध्या आगमन समाप्त हुआ। कार्यक्रम में राकेश आसवानी, जगन्नाथ साहू, दिनेश जैन, राजेश नामदेव, नागेंद्र वर्मा, प्रभात सिंह, सुनील सोनी, राजेश साहू आदि का विशेष सहयोग रहा।

जब झूठ बोलकर बुरी फंसी थी पलक, मां

श्वेता तिवारी

के सामने ऐसे आया था सच

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी (Shweta Tiwari) इन दिनों काफी चर्चा में हैं. वजह बेहद खास है. श्वेता तिवारी इस साल की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आने वाली हैं. अजय देवगन की पिक्चर में रोहित शेट्टी ने श्वेता को भी कास्ट किया है. फिल्म के ट्रेलर में भी श्वेता तिवारी की झलक देखने को मिली है. इससे पहले उन्हें रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' में भी देखा गया था. श्वेता अपने काम से सभी को इंप्रेस करती हैं.इसी बीच श्वेता तिवारी से जुड़ा एक पुराना किस्सा सामने आया है. दरअसल श्वेता ने अपनी बेटी पलक तिवारी (Palak Tiwari) के झूठ के बारे में सभी से बात की थी. श्वेता ने कपिल शर्मा के शो में पलक के बचपन का एक झूठ बताया था. महज 13 साल की उम्र में पलक ने अपनी मां से फिल्म देखने के लिए बड़ा झूठ बोला था. श्वेता कि मानें को वो झूठ बोलकर अपने दोस्तों के साथ पिक्चर देखने चली गई थीं.

13 साल की उम्र में बोला था बड़ा झूठ

श्वेता तिवारी के मुताबिक पलक 13 साल की थीं और उन्हें कहीं भी अकेले जाने की इजाजत नहीं थीं. ऐसे में उन्होंने उनसे कहा कि उनकी दोस्त भूमि के पापा अस्पताल में भर्ती हैं और वो उन्हें देखने जा रही है. श्वेता ने ये बात सुनकर पलक को जाने तो दिया, लेकिन जब उन्होंने भूमि को फोन किया पलक से बात कराने को कहा, तो उसने कहा कि वो अभी वो पापा को देखने अंदर गई है. दूसरे दोस्त को फोन किया, तो उसने कहा कि वो वॉशरूम में हैं.

श्वेता तिवारी जब वॉक के लिए थोड़ी देर बाद निकलीं, तो उन्हें पकल की दोस्त भूमि के पिता भी वॉक करते हुए मिल गए. श्वेता ने उनसे कहा कि बच्चों ने बताया कि आप अस्पताल में भर्ती हैं. श्वेता की बात सुनकर जब उन्होंने भूमि को फोन किया, तो उसने कहा कि पलक की मम्मी हॉस्पिटल में एडमिट हैं, उन्हें देखने आए हैं.

किसके साथ रिलेशनशिप में हैं

श्रद्धा कपूर

शादी पर एक्ट्रेस ने क्या बताया?

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर एक ब्लॉकबस्टर फिल्म बन गई है. इस फिल्म की सक्सेस की खुशी में फिल्म से जुड़े सभी स्टार्स आज भी झूम रहे हैं. 'स्त्री 2' क बाद से श्रद्धा कपूर की फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हुआ है. हालांकि, श्रद्धा की प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ के बारे में उनके फैन्स काफी बेताब रहते हैं. एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने अपने रिलेशनशिप में होने की बात का खुलासा किया है.

श्रद्धा कपूर हाल ही में रिलेशनशिप के बारे में बात की, इसके साथ ही उन्होंने शादी के बारे में भी अपने विचार सामने रखे. श्रद्धा ने अपनी शादी के बारे में बात करते हुए बताया कि ये डिसीजन एक अच्छे पार्टनर पर डिपेंड करता है. उन्होंने अपने पार्टनर के बारे में बात करते हुए ये भी बताया कि उन्हें अपने पार्टनर के साथ टाइम बिताना बहुत अच्छा लगता है. इन बातों के साथ ही उन्होंने रिश्तों के लेकर सुझाव भी दिया है.

पार्टनर के साथ समय बिताना है पसंद

श्रद्धा कपूर ने बताया कि उन्हे फेरीटेल लव स्टोरी काफी अट्रैक्ट करती है. साथ ही ये भी कहा कि जब तक वो अपने पार्टनर के साथ हैं तब तक उन्हें किसी और की जरूरत नहीं है. कॉस्मोपॉलिटन के साथ हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने बिना नाम लिए अपने पार्टनर के बारे में बात की. श्रद्धा ने अपने पार्टनर के साथ समय बिताने की बात करते हुए कहा कि मुझे अपने पार्टनर के साथ वक्त बिताना काफी अच्छा लगता है, मुझे उनके साथ फिल्में देखना, डिनर पर जाना और घूमना बहुत पसंद है.

शादी के लिए चाहिए सही साथी

इंटरव्यू के दौरान जब श्रद्धा शादी के बारे में सवाल किया गया और इसके साथ ही शादी को लेकर आज की जेनरेसन के बारे में भी पूछा गया. इस पर श्रद्धा ने बताया कि शादी के लिए सही साथी के साथ होना चाहिए. अभी की जेनरेशन के बारे में उन्होंने ये भी बताया कि कुछ लोग शादी नहीं करना चाहते वो भी अपनी जगह सही होते हैं.कई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा राहुल मोदी के साथ रिलेशनशिप में हैं. हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस खबर की पुष्टि नहीं की है.

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को

ललितपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 14 दिसम्बर 2024 को सुबह 10 बजे से जनपद न्यायालय परिसर एवं जनपद की सभी तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिला जज/अध्यक्ष आलोक कुमार पाराशर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर वाहनों से संबंधित ई-चालान, आपराधिक शमनीय वाद, बैंक वसूली वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, पारिवारिक, वैवाहिक मामलें, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, विद्युत अधिनियम, स्टाम्प अधिनियम, श्रम अधिनियम, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, उपभोक्ता फोरम के वाद, स्थायी लोक अदालत में लंबित वाद, नगर पालिका टैक्स वसूली वाद, पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत चालान वाद, दुकान एवं वाणिज्य अधिनियम के अधीन बांट माप वाद, आयकर, वाणिज्य कर, जलकर, वन अधिनियम, सेवा संबंधी वाद, चेक बाउन्स के मामलें आदि के अन्तर्गत लंबित वादों एवं अन्य वादों के निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किये जायेगें। उन्होंने वादकारियों से आह्वान किया है कि वह अपने लंबित वादों को आपसी सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित कराना चाहते हों तो 14 दिसम्बर 2024 को समय सुबह 10 बजे जनपद न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर अपने वादों का निस्तारण कराकर राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजी अब्दुल कलाम की जयन्ती मनाई

ललितपुर। पासमांदा मुस्लिम समाज के कार्यालय पर पूर्व राष्ट्रपति एपीजी अब्दुल कलाम की जयन्ती मनाई, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति एपीजी अब्दुल कलाम के द्वारा देशहित में किये गये कार्यों के बारे में बताते हुये कहा की पूर्व राष्ट्रपति जी ने आज विज्ञान के क्षेत्र में हमारे देश को दुनिया में अग्रिणी कर दिया इनके त्याग और महान कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। वक्ताओं ने उनकी तसवीर पर पुष्प अर्पित करते हुये उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये गये तो वही देश में अमन-शान्ति की दुआ मांगी गयी। इस दौरान जिलाध्यक्ष मो.करीम पप्पू राईन, कादिर, अमजद खान, असफाक लाइट, हफीज, असगर, इमरान, रहमत, शाकिर, युनुस, सलमान, अयान, फैजान के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

भाकियू ने पकड़ी गयी नकली खाद की जांच मांग

ललितपुर। विगत दिनों कस्बा बांसी में पकड़ी गयी नकली खाद की 70 बोरियों के प्रकरण में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मण्डल उपाध्यक्ष कीरत बाबा ने एक ज्ञापन एसडीएम तालबेहट को सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने प्रकरण की जांच उच्च स्तरीय कराये जाने एवं दलालों के खिलाफ जांच कर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन में उन्होंने एसडीएम को अवगत कराया कि राजेश गुप्ता प्रोपाईटर कनकने खाद भण्डार बांसी के विरूद्ध संदिग्ध नकली खाद की 70 बोरियां डी.ए.पी. पकड़ी गयी थी। उन्होंने यह खाद किस फैक्ट्री से बना है, कहां से यह आया है हमारे किसानो के साथ छल किया गया है उसकी उच्चस्तरीय जांच की जाकर सम्बन्धित की सम्पत्ति की कुर्क करके किसानों की सहायता करते हुये अतिवृष्टि में संलग्न किये जाने की मांग उठायी गयी। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि लेखपालों द्वारा अतिवृष्टि का पेसा अति शीघ्र डलवाया जाये लेकिन जो गांव में दलाल है वह दलाल 100-100 रू. ले रहे है और कह रहे है कि पैसा दू नही तो पैसा नही मिलेगा। उन सभी दलालो के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाये। किसानों की जमीन का हिस्सा गड़बड हो गये लिहाजा हमारे किसानो की कोई गलती नही है लिहाजा हमारे किसानो के विना किसी मुकद्मा के सही की जाये। सोसायटी पर खाद 1 एकड़ पर 1 बोरी दी जा रही है, लिहाजा 1 एकड पर 2 बोरी देने की भी मांग उठायी। यदि एक हफ्ते के अन्दर बार पुलवारा धमना मोतीखेरा टूडासर गैंदौरा भैलोनी लोध आदि गांव का अति शीघ्र अतिवष्टि का पैसा अति शीघ्र डाला जाये यदि इसमें कोई भी गडबडी हुई तो उस लेखपाल के खिलाफ आन्दोलन करने पर विवश होंगे इसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देते समय कीरत बाबा के अलावा अशोक, रामकुमार, रहीश, श्यामसिंह, रामसिंह, विक्रम, सेवक, सुरेन्द्र, मनोहर आदि मौजूद रहे।

अरविंद कपूर को भारतीय क्रिकेट टीम का मैनेजर बनाये जाने पर हर्ष

ललितपुर। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की एक बैठक द बजाज क्लब में एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.संजीव बजाज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में झाँसी उत्तर मध्य रेलवे झाँसी में मंडल खेलकूद सचिव व झांसी डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन जेडीसीए के अध्यक्ष पूर्व रणजी खिलाड़ी अरविंद कपूर को बोर्ड आफ कन्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इण्डिया (बीसीसीआई) द्वारा आगामी 16 अक्टूबर से बेंगलोर, पूना व मुम्बई में खेली जानी वाली भारत बनाम न्यूजीलैंड के तीन मैचों की टेस्ट सीरीज हेतु भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किये जाने पर हर्ष व्यक्त किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.संजीव बजाज ने कहा कि अरविन्द कपूर ने प्रदेश के साथ-साथ बुन्देखण्ड की प्रतिभाओं को निखारने के अलावा खिलाडियों को उचित मंच दिया है। सचिव मोहम्मद नसीम ने कहा की अरविन्द कपूर ने किसी बेहतर खिलाड़ी की प्रतिभा का हनन नहीं होने दिया। उन्होंने निष्पक्षता और ईमानदारी से खिलाडियों का चयन किया, जिससे खिलाडियों का मनोबल बड़ा है और ललितपुर के खिलाडियों के लिये बीसीसीआई का दरवाजा खोल दिया है। पदाधिकारियों ने उन्हें दूरभाष के जरिये शुभकामनाये प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। बैठक में पवन परमार, पुष्पेंद्र सिंह बुंदेला, रवेश दीक्षित, रिजवान उज्जमा, विजय पटेल, डीके बाबा, रामपताप सिंह, अजय राजा, रामेश्वर सेन, अरविन्द राजा, सिद्दार्थ जैन, विवेक, दिशांत के जिले भर के क्रिकेट खिलाड़ी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दूसरे दिन किया मिष्ठान वितरण

ललितपुर। पांच दिवसीय महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव के अवसर पर महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समिति ललितपुर के तत्वाधान में 15 अक्टूबर 2024 को पूर्व घोषित कार्यक्रम के दूसरे दिन मदर टेरेसा ट्रस्ट पनारी ललितपुर में जाकर समिति के लोगो ने असहयजनों की सेवा कर फल व मिष्ठान वितरण किया। इस इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मंजीत करोसिया, आदर्श करोसिया, अशोक मारोठिया, प्रियंक करोसिया, किशन नरवारे, विनीत वाल्मीकि बाबा, शनि बावरा, बृजेश नहारिया, अभय करोसिया, जितेन्द्र करोसिया आदि मौजूद रहे। कल समिति द्वारा श्रीसुन्दर काण्ड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा सभी भक्तगण अधिक से अधिक संख्या मे पहुँच कर धर्म लाभ ले।

शिक्षकों की लापरवाही, शासकीय स्कूलों में निर्धारित समय पर नहीं खुलते विद्यालय छात्रों ने कहा

पत्रकार सतीश परिहार

शासकीय स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों को भले ही शासन प्रतिमाह अच्छी पगार सहित अन्य सुख सुविधा दी जा रही है, फिर भी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचकर छात्र-छात्राओं को नहीं पढ़ा रहे हैं । करेरा में स्कूलों की हकीकत जाने के लिए चुनाव का भ्रमण किया जाए तो करैरा के ग्राम पंचायत नारही में शासकीय हाई स्कूल नारही मे10,,30 बजे ताले लगे हुए थे और छात्र-छात्राएं शिक्षक आने का इंतजार कर रहे थे इसी तरह स्कूल में बच्चे परिसर में शिक्षकों विचार कर रहे थे तो कुछ गेट के पास खड़े हुए थे। इस दौरान छात्रों ने बताया कि कभी भी विद्यालय समय पर नहीं खुलती हैं इसके चलते कई छात्राएं शिक्षकों के इंतजार में वापस घर लौट जाते हैं तो कई घंटे इंतजार करते रहते हैं इसके बाद भी जिम्मेदार ईश्वर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

कोई छात्रों की माने तो विद्यालय में पदस्थ शिक्षक हर दिन समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते हैं स्कूली बच्चों के अनुसार अधिकतर शिक्षक कहां है बाहर से आते हैं उसके चलते कभी समय विद्यालय नहीं आ पाते हैं और जहां पर हम इसी तरह से इंतजार करना पड़ता है। अंग्रेजी क्लास टीचर निलेश नीखरा जी का कहना है। बच्चों से अगर कोई पत्रकार अपने स्कूल के आसपास वीडियो बनाते थे गया तो आप उसकी मोबाइल बैक कैमरा छीन लेना और फिर बाद में मैंखुद निपट लूंगा पत्रकार को में दबाव में ले लूंगा।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने उपनगर ग्वालियर में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

फावड़ा लेकर राजामंडी क्षेत्र में साफ-सफाई कर आम जनता को दिया स्वच्छता का संदेश, जन समस्याओं का निराकरण भी कराया

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर के विभिन्न बाजारों व बस्तियों में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी न हो। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय निवासियों से रूबरू होकर उनकी समस्यायें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से साफ-सफाई के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उपनगर ग्वालियर की राजा मंडी बस्ती से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भ्रमण प्रारंभ किया। इस दौरान उन्हें गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा स्वयं ही फावड़ा मंगा कर नाली की सफाई की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया क्षेत्र में प्रतिदिन साफ सफाई समय पर हो कहीं भी कचरा ठिया न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही लोगों से कहा कि वे स्वच्छता को लेकर सजग रहें। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने राजा मंडी से किला गेट, गल्ला मंडी, कोटा वाला मोहल्ला, रामटापुरा, गुदड़ी, किलामेट होते हुए, बाबा कपूर की दरगाह, काशी नरेश की गली, मंगलेश्वर रोड, सुभाष विद्यालय होते हुए घास मंडी चौराहा, गोलंदाज घंटाघर, डोडापुर तिराहा, मिर्जापुर होते हुए शील नगर पहुँचे। इन क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के बाद उन्होंने शीलनगर के हनुमान जी मंदिर पर रात्रि विश्राम भी किया। भ्रमण के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने विद्युत, सीवर, साफ सफाई आदि सहित अन्य बुनियादी समस्याओं का निरीक्षण किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान एक बुजुर्ग महिला की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए। उन्होंने रमटापुरा एवं गुदड़ी में गंदगी मिलने पर काफी नाराजगी व्यक्त की। भ्रमण के दौरान सर्व श्री मनमोहन पाठक, दिनेश सिकरवार सत्यम सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत गुराडिया दासा में गुड्डी बाई मानू लाल निर्विरोध निर्वा चित हुई स्थानापन्न सरपंच

महिदपुर। जनपद पंचायत महिदपुर की ग्राम पंचायत गुराडिया दासा की निर्वाचित सरपंच प्रकाश बाई बालाराम के निधन से रिक्त हुए सरपंच पद के निर्वाचन मंगलवार को ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम पंचा यत के पंचों की उपस्थिति में संपन्न हुए। थानापंन्न सरपंच का निर्वाचन रिटर्निंग ऑफिसर संतुष्टि पाल तहसी लदार झार्डा सेवाराम अजमेरिया बी पीओ जनपद पंचायत महिदपुर तथा पंचायत समन्वयक हीरालाल भाटी की उपस्थिति में संपन्न हुए जनपद पंचायत के बीपीओ सेवा राम अजमेरिया ने जानकारी देते हुए बताया ग्राम पंचायत गुराडिया दासा में कुल 14 पंच है एक पंच की मृत्यु होने से ग्राम पंचायत के शेष सभी 1 3 पंच स्थानापन्न सरपंच के चुनाव के दौरान ग्राम पंचायत गुराड़िया में उप स्थित रहे। सभी पंचों की सहमति से जो वर्ग से सरपंच का पद आरक्षित है उसी वर्ग की महिला पंच गुड्डीबाई मानूलाल (वार्ड नं 10) निवासी माऊ खेड़ी को निर्विरोध स्थानापन्न निर्वा चित घोषित किया जाकर निर्वाचन कार्यवाही की प्रोसेसिंग वरिष्ठालय को अग्रिम कार्यवाही के लिये प्रेषित की गई।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आवेदकों का तत्काल किया निराकरण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। कलेक्ट्रेट में आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी योजना जनसुनवाई में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान 75 से अधिक आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी,शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज,विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण,पेंशन,सड़क दुघर्टना सहायता,हितग्राही मूलक योजनाओं में बैंक ऋृण, बीपीएल राशन कार्ड,जमीन पर कब्जा एवं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराने से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

खेड़ाखजुरिया क्लस्टर पर समीक्षा बैठक का आयोजन

खेड़ाखजुरिया। ग्राम पंचायत भवन में मंगलवार को क्लस्टर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्लस्टर की सभी पंचायतो के सचिव व सहायक सचिव अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे । बैठक में महिदपुर जनपद पंचायत की प्रमुख सहायकयंत्री अंजलि धाकड़ व उपमंत्री सुरेंद्र मौर्यवंशी द्वारा मनरेगा ,प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छता मिशन आदि कार्यों की समीक्षा की गई । सरपंच शिवनारायण परिहार व सचिव महेश दीक्षित जानकारी तो बताया कि स्थानीय पंचायत सहित क्लस्टर के सभी पंचायत की समीक्षा बैठक में मनरेगा, पीएम आवास, स्वच्छता, सीसी रोड आदि कार्यों की समीक्षा की गई ।

स्नेह सिटी स्थित निर्माणाधीन शिवालय मंदिर पर दशहरा मिलन समारोह आयोजित हुआ

महिदपुर। धर्मनगर व स्नेह सिटी कॉलोनी शिवालय मंदिर समिति द्वारा निर्माणाधीन शिवालय मंदिर पर दशहरा मिलन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के पूर्व नवीन अध्यक्ष का निर्वाचन कॉलोनी के वरिष्ठ विमल बुरड़ व राधेश्याम जोशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में किया गया। जिसमें संजय व्यास एडवोकेट को सर्वानुमति से अध्यक्ष चुना गया। दशहरा मिलन समारोह में विशेष रूप से क्षेत्रीय विधायक दिनेश जैन बोस, समाजसेवी विजयसिंह गौतम, बालू सिंह बानिया, डॉ. विमल पाठक, सरपंच संघ के अध्यक्ष राम ठाकुर, डॉ. दिनेश सक्सेना सहित वरिष्ठजन व पत्रकारगण का सहयोग हेतु समिति द्वारा सम्मान किया गया। सहभोज का आयोजन भी हुआ। इस अवसर पर अरुण बुरड़, निर्मल जाट, सुशील कोचर, नरेन्द्र चौधरी,श्याम गेरा, हेमेश बंसल,द्व सिद्धनाथ सिसोदिया, के के रावल, झंडू राठौर,किशोर वर्मा, शिवनारायण शर्मा, कमल पहलवान, शंकरसिंह तोमर, छोटेलाल वर्मा,संतोष, नारायण राव, समकित कोचर, अनिल मांडीवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्वस्तिक ठाकुर ने किया तथा आभार विशाल पाटनी ने माना।

सकतखेड़ी में हुई लहसुन चोरी

बीती रात सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से घूमते हुवे दिखाई दिया, रात्रि में कुछ मोटरसाइकिल पर सवार लोग जिनका उद्देश्य शायद चोरी करना ही था, दिखाई दिए जिनका पीछा भी किया गया किंतु वे पल भर में गायब हो गए और उसी रात को सकतखेड़ी में एक किसान के घर से लहसुन की चोरी भी हुई, कुल मिलाकर चोरों की सक्रियता फिर से बढ़ने लगी है, चापाखेड़ा चौकी की पुलिस द्वारा निरंतर गस्त जारी है नवरात्रि में भी चौकी प्रभारी संतोष यादव और उनकी पूरी टीम द्वारा गरबा पांडवों में निगरानी की गई चापाखे?ा चौकी में जितने गांव सम्मिलित है उसके मान से यहां पुलिस जवानों की संख्या कम है जो कि सुरक्षा की दृष्टि से बहुत ही चिंता का विषय है जबकि वर्तमान में किसानों की सोयाबीन की फसलों को निकालने के साथ ही गेहूं, लहसुन सहित अन्य फसलों को लगाने का समय भी आ गया है ऐसे में कई किसानों की फसलों सहित अन्य सामान भी जहां तहां रखा रहता है ऐसे में जहां किसानों को भी अपनी सुरक्षा की दृष्टि से सावधान रहने की जरूरत है!

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर बच्चों के हाथ धुलवा कर स्वास्थ के प्रति किया जागरुक

जीरापुर। 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य लोगों को हाथ धुलवा कर स्वास्थ के प्रति जागरूक करना है।हाथों की धुलाई कर साफ रख कर कई तरह के संक्रमण से बचा जा सकता है।इसी क्रम में संकुल केन्द्र शास.हाई स्कूल गागोरनी के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक विद्यालय चेन पुरिया में प्रधानाध्यापक मांगीलाल मंडलोई और शिक्षिका रेखा व्यास ने बच्चो के हाथ धुलवा कर बच्चो को स्वास्थ के प्रति जागरूक कर अभियान को सफल बनाने का प्रयास किया। प्रधानाध्यापक द्वारा सभी बच्चों को समझाया गया कि स्वस्थ शरीर पाने के लिए स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए इससे संक्रमण से बचा जा सकता हैं ! इस अभियान के अंतर्गत सभी बच्चों के हाथ धुला कर उनको स्वच्छता का महत्व समझाया गया !

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 की द्वितीय केबिनेट मीटिंग शिखर का आयोजन सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ मोहनखेड़ा में हुआ

सनावद-लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 की द्वितीय केबिनेट मीटिंग शिखर का आयोजन सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ मोहनखेड़ा में किया गया। मीटिंग में लायंस क्लब के रीजन, झोन और डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मीटिंग में अतिथि के रूप में पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर ला.कमलेश जैन,गेट वाइस एरिया लीडर ला.कुलभूषण मित्तल और डिस्ट्रिक्ट गवर्नर योगेंद्र रूनवाल उपस्थित थे। मीटिंग में लायंस क्लब की जीईटी कोऑर्डिनेटर अनिता भागचंद जैन ने कहा कि लायंस क्लब की सेवा गतिविधियों को विस्तार देने के लिए नए क्लब का गठन किया जा रहा है। इस तारतम्य में 6 नए क्लब का गठन किया जा चुका है और 3 नए क्लब शुरू किए जाने की प्रक्रिया जारी है।जैन ने कहा कि लायनवाद की मैत्री भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में लायंस क्लब सनावद स्नेह निरंतर प्रयासरत है। क्लब के पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर ला.कमलेश जैन ने जीईटी कॉर्डिनेटर अनिता जैन की सक्रियता और सेवाभावना की सराहना की और पिन प्रदान कर सम्मान किया।ला.अनिल धारीवाल नए 150 मेम्बर बने पर सदस्यों को चांदी के सिक्के वितरित किए जारहे है इस दौरान प्रथम डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, ला.अनिल खंडेलवाल,द्वितीय डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. जयप्रकाश त्रिपाठी,पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर यश शर्मा,पूर्व गवर्नर ला.साधना सोडानी,ला.निर्मल जैन,ला.डॉ.जवाहर बियाणी,एसपी नामदेव,ला.कीजर एच.बोहरा,ला.संतोष चाणोदिया,ला.वीणा छाजेड़, सीईओ ला.एमके मेहता,ला.विकास गुप्ता,जाकिर हुसैन अमी,डॉ.जेपी चौहान,ला.बाबूलाल महाजन,ओम सक्सेना ला.भागचंद जैन,ला.नम्रता बिहानी ला.राम जाट सहित बड़ी संख्या में लायन सदस्य उपस्थित थे।

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर बच्चों के हाथ धुलवा कर स्वास्थ के प्रति किया जागरुक

जीरापुर। 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य लोगों को हाथ धुलवा कर स्वास्थ के प्रति जागरूक करना है।हाथों की धुलाई कर साफ रख कर कई तरह के संक्रमण से बचा जा सकता है।इसी क्रम में संकुल केन्द्र शास.हाई स्कूल गागोरनी के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक विद्यालय चेन पुरिया में प्रधानाध्यापक मांगीलाल मंडलोई और शिक्षिका रेखा व्यास ने बच्चो के हाथ धुलवा कर बच्चो को स्वास्थ के प्रति जागरूक कर अभियान को सफल बनाने का प्रयास किया। प्रधानाध्यापक द्वारा सभी बच्चों को समझाया गया कि स्वस्थ शरीर पाने के लिए स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए इससे संक्रमण से बचा जा सकता हैं ! इस अभियान के अंतर्गत सभी बच्चों के हाथ धुला कर उनको स्वच्छता का महत्व समझाया गया !

धरती का स्वर्ग है 'मुन्नार'

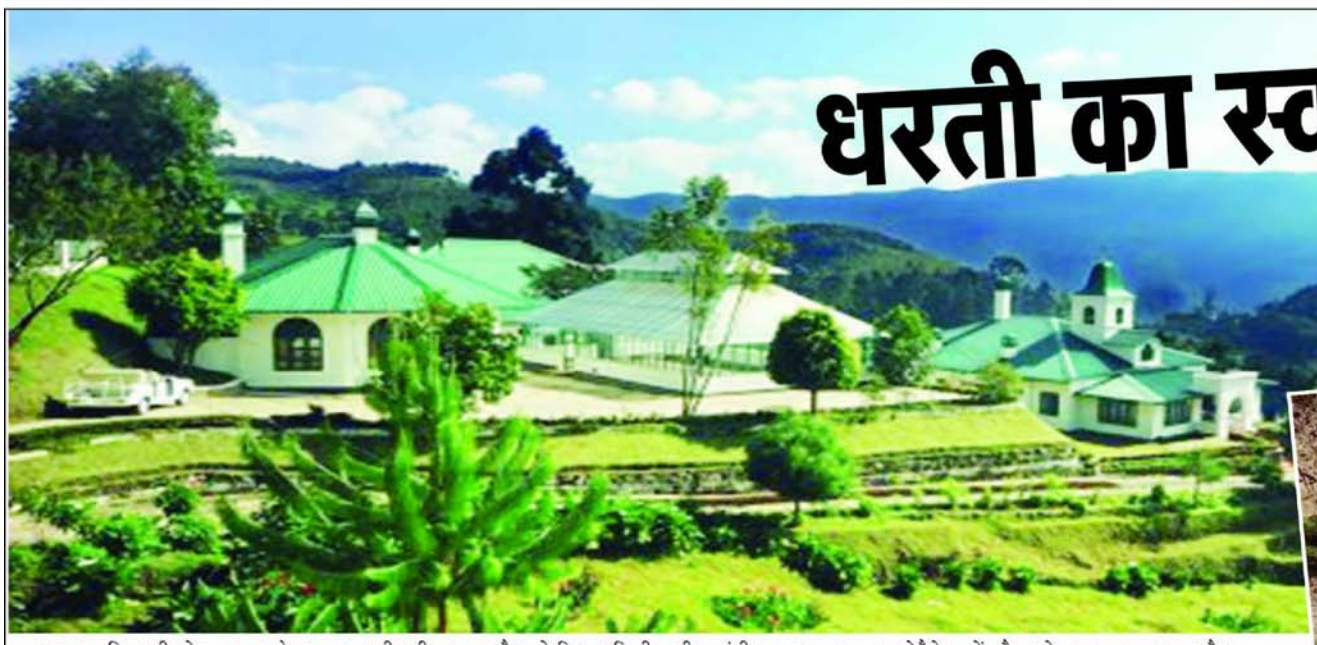

आप प्राकृतिक की गोद में अपना समय बिताना चाहते हैं तो हिल स्टेशन से बढ़िया कोई और जगह नहीं है। भारत में लोगों के बीच हिल स्टेशन का क्रेज जबरदस्त है। मौसम कोई सा भी हो लोग हिल स्टेशन जाना नहीं भूलते। तो देर किस बात की चलिए चलते केरल की खूबसूरत जगह मुन्नार।

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। दूर-दूर तक फैले खूबसूरत चाय के बागान, हरी-भरी घाटियां, सुहाना मौसम, ऊंची-ऊंची चोटियां, अभयारण्य, प्राकृतिक खुशबू से भरी हवा के अलावा बाकी वह सब कुछ है जिसे देखने के बाद आपको शांति और सुकून ही मिलेगा।

मुन्नार की खूबसूरती को देखकर ऐसा लगता है, जैसे कि यह धरती का स्वर्ग है। मुन्नार की सुन्दरता इतनी अधिक है कि इसे ईश्वर का देश भी कहा जाता है। ऐसा लगता है मानो कि हम किसी ईश्वर की भूमि पर उतर आए। आपको यहा आने के बाद जाने का बिलकुल ही मन नहीं करेगा। यहां की झीलें और घने जंगल इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजो के लिए मुन्नार दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजॉर्ट हुआ करता था।

वनों की विलक्षण वनस्पति तथा हरे घास के मैदानों के बीच यहां नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है।

हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी फूल पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। यह फूल बारह वर्षों में केवल एक बार ही खिलता है। जब यह फूल खिलता है तो इसकी सुंदरता देखते ही बनती है।

मुन्नार में देखने लायक जगह हैं आनामुड़ी शिखर, राजमाला, चितीरापुरम, इकोपाइंट और मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की खूबसूरती पोतैमेदु में है, जो एक महत्त्वपूर्ण चाय बागान है।

मुन्नार में रोमांच

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग बोटिंग और हाइकिंग। वैसे तो आप पूरे साल मुन्नार जा सकते हैं लेकिन यदि आपको इसकी खूबसूरती देखनी है तो दिसंबर और जनवरी का महीना सही माना जाता है।

कैसे पहुंचे

मुन्नार पहुंचने के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मुन्नार के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन तमिलनाडु का थेनी है जो मुन्नार से 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल है जाइरो

भारत का पूर्वोत्तर राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बदलते मौसम की वजह से पूरे विश्वभर में अपनी पहचान रखता है। यहां की कला और हस्तशिल्प की भव्यय विरासत तथा रंग बिरंगे त्यौहार प्रकृति की अपार शक्ति में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। ऐसी ही एक जगह है अरुणाचल प्रदेश में समुद्री तल से 5754 फीट (1,780 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित जाइरो/जिरो, जो अपने सांस्कृसतिक विरासत और मनमोहक दृश्य के लिए जाना जाता है। अपनी खूबसूरती की वजह से ही यह कस्बा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में नामांकित भी हुआ है।

अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं। यह क्षेत्र अपनी धान की खेतों की वजह से भी काफी लोकप्रिय है। जाइरो पौधों और जन्तुओं के मामले में काफी धनी है तथा अपनी विविधता की वजह से प्रकृति प्रमियों के लिए आदर्श स्थान बनी हुई है।

जाइरो में आदिवासी लोगों का प्रकति से इतना अधिक लगाव है कि वह प्रकृति को भगवान की तरह पूजते हैं और खुद को इससे जुड़ा हुआ पाते हैं। वहां के लोग खेतो के अलावा हस्तशिल्प तथा हैन्डलूम उत्पादों को बनाकर अपना जीवनयापन करते हैं। अन्य आदिवासी लोगों से अलग अपा टनी के लोग जाइरो क्षेत्र के स्थाई निवासी हैं। अपा टनी द्वारा मनाए जाने वाले कई पर्व हैं जिनमें मार्च में मनाया जाने वाला म्योको त्यौहार, जनवरी में मनाया जाने वाला मुरुंग त्यौहार और जुलाई का द्री त्यौहार प्रमुख हैं। अगर आप जाइरो जाने की योजना बना रहे हैं तो आप हरी-भरी शांन्त टैली घाटी, 5000 हजार साल पुरानी मेघना गुफा मंदिर जा सकते हैं। यही नहीं खूबसूरत पक्षियों और सूर्योदय के खूबसूरत दृश्य देखना है तो आप किले पाखो भी जा सकते हैं। यह यहां का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

> अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं।

जाइरो के अन्य पर्यटक स्थल

जीरो पुटु

इसे आर्मी पुटु के नाम से भी जाना जाता है। आजादी के बाद यहां पर अरूणाचल प्रदेश के पहले प्रशासनिक केन्द्र की स्थापना की गई थी। इसके बाद छठे दशक में यहां पर सेना के कैम्प का निर्माण भी किया गया। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से खूबसूरत दृश्य भी देखे जा सकते हैं।

डोलो मांडो

हपोली से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डोलो-मांडो डोलो और मांडो के प्रेम-संबंध के लिए प्रसिद्ध है। यहां से जाइरो और हपोली शहर के खूबसूरत दृश्य देखे जा सकते हैं।

तारीन मछली फार्म

पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगहों में से एक 'मछली फार्म' हपोली से 315 किमी। की दूरी पर स्थित है। यह बहुत ही खूबसूरत जगह है। यहां आने वाले पर्यटक अनेक प्रजातियों की खूबसूरत मछलियों को देख सकते हैं।

जाइरो का मौसम

जाइरो की जलवायु मौसम के अनुसार बदलती रहती है। वैसे तो पर्यटक पूरे साल भर जाइरो जाते हैं लेकिन यदि आपको वहां के मनमोहक दृश्य को देखना है अक्टूबर तथा नवम्बर का महीना आपके लिए सही रहेगा।

अतीत की कई कहानियों को बयां करती है यह जगह

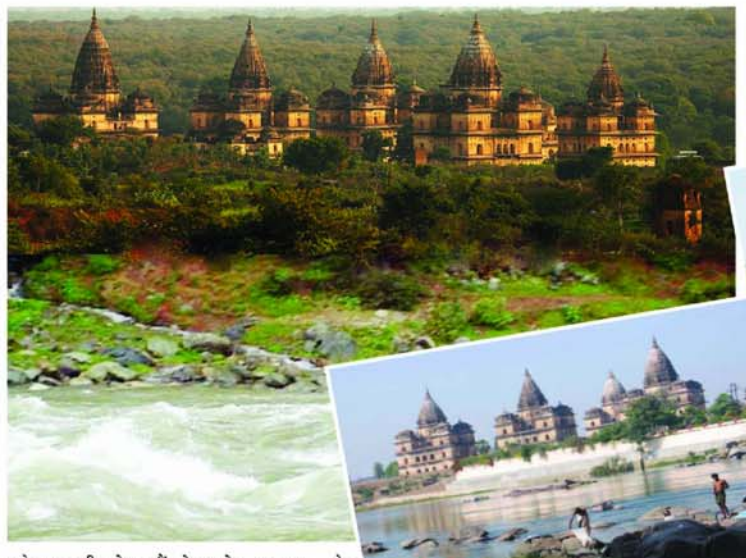

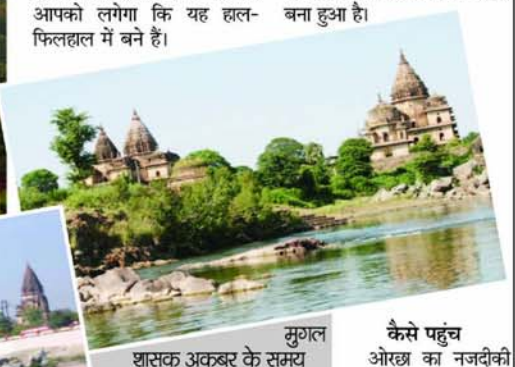

उत्तरी मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा अपने भव्य मंदिरों, महलों और किलों के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है। झांसी से मात्र 16 किमी. की दूरी पर स्थित यह जगह अतीत की कई कहानियों को बयां करती है। हरा-भरा और पहाड़ियों से घिरा ओरछा राजा बीरसिंह देव के काल में बुंदेलखण्ड की राजधानी हुआ करता था।

इतिहास

परिहार राजाओं के बाद ओरछा चन्देलों और फिर बुंदेलों के अधिकार में रहा। हालांकि चन्देल राजाओं के पराभव के बाद ओरछा श्रीहीन हो गया, लेकिन जब बुंदेलों का शासन आया तो ओरछा ने पुनः अपना गौरव प्राप्त किया। बुंदेला राजा रुद्रप्रताप ने 1531 ई. में नए सिरे से इस नगर की स्थापना की। उन्होंने नगर में मंदिर महल और किले का निर्माण करवाया। यही नहीं, उनके बाद के राजाओं ने भी सौंदर्य से परिपूर्ण कलात्मक इमारतें और भवन बनवाए।

मुगल शासन में ओरछा

मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी। इसके बदले में वीरसिंहदेव ने जहांगीर के कहने से अकबर के शासन काल में अकबर के विद्वान दरबारी अबुलफजल की हत्या करवा दी थी। वहीं जब शाहजहां का शासन काल आया तो मुगलों ने बुन्देलों से कई असफल लड़ाइयां लड़ीं। किंतु अंत में जुझार सिंह को ओरछा का राजा स्वीकार कर लिया गया।

ओरछा की सुंदरता

ओरछा की विरासत यहां की इमारतों में कैद है। आप महल, किले, पवित्र भव्य मंदिर तथा बुंदेलखण्ड के संस्कृति से जुड़ी प्रतिमा और चित्रकला को देखकर अपने कैमरे में कैद किए बिना रह नहीं सकते। मंदिरों और किलों की खूबसूरती का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इनकी चमक आज भी बरकरार है।

क्या देखें

राज महल-ओरछा के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक 'राजमहल' को 17वीं शताब्दी में मधुकर शाह ने बनवाया था। चतुर्भुज आकार का यह महल अपनी शिल्प कला तथा भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

जहांगीर महल- बुन्देलों और मुगल शासक जहांगीर की दोस्ती की निशानी है जहांगीर महल। जहांगीर महल के प्रवेश द्वार पर दो झुके हुए हाथी बने हुए हैं जो अपने आप में वास्तुकला का बेहतरीन नमूना है।

चतुर्भुज मंदिर- कमल की आकृति और अन्य आकृतियों से परिपूर्ण यह मंदिर चार भुजाधारी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 1558 से 1573 के बीच राजा मधुकर ने करवाया था। अपने समय की यह उत्कृष्ट रचना यूरोपीय कैथेड्रल से समान है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर- 622 ई. में बीरसिंह देव द्वारा बनवाया गया यह मंदिर ओरछा गांव के पश्चिम में एक पहाड़ी पर बना है। मंदिर में सत्रहवीं और उन्नीसवीं शताब्दी के चित्र बने हुए हैं, जो तब के इतिहास को बयां कर रहे हैं। चित्रों के चटकीले रंग इतने जीवंत लगते हैं कि देखकर आपको लगेगा कि यह हाल-फिलहाल में बने हैं।

> मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी।

फूलबाग-मंदिर और महलों के अलावा आप ओरछा में बुन्देल राजाओं द्वारा बनवाया गया फूलों का बगीचा भी देख सकते हैं। पालकी महल के निकट स्थित यह बाग बुन्देल राजाओं का आरामगाह था। वर्तमान में यह पिकनिक स्थल बना हुआ है।

कैसे पहुंच

ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा खजुराहो है जो 163 किमी. की दूरी पर है। खजुराहो से आप टैक्सी, ऑटो के जरिए ओरछा पहुंच सकते हैं। अगर आप ट्रेन के जरिए ओरछा पहुंचना चाहते हैं तो झांसी ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है। दिल्ली, आगरा, भोपाल, मुंबई, ग्वालियर आदि प्रमुख शहरों से झांसी के लिए काफी संख्या में ट्रेने हैं।

गार्डन होम्स के फ्लैट में मां-बेटी की हत्या, बेडरूम में मिले शव

ग्वालियर। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के गार्डन होम्स के एक फ्लैट में मां-बेटी की हत्या कर दी गई। दोनों के शव मंगलवार सुबह 11 बजे बेडरूम में प? मिले हैं। फ्लैट के कमरे अस्त व्यस्त मिले हैं और सामान बिखरा प?ा मिला है। जो इस बात की चुगली कर रहा है कि मां-बेटी की हत्या कर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। मां बेटी की हत्या का पता उस समय चला जब मंगलवार को घर में काम करने वाली मेड पहुंची तो दरवाजा खुला था और जब वह अंदर पहुंची तो उसके हौश उ? गये और उसकी चींख निकल गई, क्योंकि फ्लैट में मां बेटी का शव प?ा हुआ था तो उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। गार्डन होम्स जैसी पाश सोसायटी में हत्या की खबर मिलते ही आईजी अरविंद सक्सेना, एसपी धर्मवीर सिंह, फोरेंसिक एक्सपर्ट अखिलेश भार्गव के साथ ही थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की तो पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला कि मां बेटी की हत्या मुंह दबाकर की गई है। पुलिस ने जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो दो संदिग्ध युवक सीढ़ियों से उतरते नजर आ रहे हैं। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के गार्डन होम्स के एक फ्लैट नंबर 322 में रहने वाली 72 साल की इंदु पुरी और उनकी 57 साल की बेटी रीना भल्ला की बदमाशों ने गला दबाकर हत्या कर दी। मां बेटी गार्डन होम्स सिटी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 322 में रहती थीं। मंगलवार को हाउस मेड वहां पहुंची तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर का मंजर देखकर उसकी चींख निकल गई। मां का शव बेड पर और बेटी का शव जमीन पर पड़ा था। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर

मामले की जांच शुरू की और पुलिस ने जब वहां लगे कैमरे खंगाले तो संदिग्ध युवक सीढ़ियों से उतरते हुये कैमरे में कैद हुये हैं। पुलिस ने जांच प?ताल के बाद बताया कि सोसाइटी के बाहर इनकी किराना दुकान है। रविवार शाम 4 बजे दुकान बंद करने के बाद वह घर पहुंच गई थीं। इसके बाद हत्या करने वाले अंदर पहुंचे। घटनास्थल देखकर ऐसा लगता है कि हमलावरों ने सबसे पहले रीना पर हमला किया। बचने के लिए उसने संघर्ष किया। इस दौरान वह बेड से नीचे गिरी और माथे पर चोट लगने से वह बेहोश हो गई तो बदमाशों ने गला दबाकर या तकिए से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बेड पर यह सब देख रही बुजुर्ग मां इंदु पुरी की भी बदमाशों ने हत्या की। हत्या के बाद बदमाशों ने घर में रखे गहनों और अन्य सामान को खंगाला और समेट ले गये। बताया जाता है कि रीना सोसाइटी के बाहर अपनी किराना दुकान में शाम को 4 से 5 बजे तक रहती थीं, इसके बाद घर पर समय देती थीं। उसकी ग्रॉसरी शॉप पर तीन से चार ल?के काम करते हैं, जो टाउनशिप और आसपास की मल्टी में होम डिलीवरी करते हैं। रविवार शाम करीब 4 बजे रीना अपने घर पहुंच गई थीं, लेकिन उसके बाद किसी ने उनके घर कोई हलचल नहीं सुनी। मंगलवार सुबह जब उनकी मेड काम के लिए पहुंची तो दरवाजा खुला हुआ था। वह घर से भी ग्रॉसरी की होम डिलीवरी देती थीं। इसलिए अक्सर उनके फ्लैट का दरवाजा खुला रहता था। जब मेड अंदर पहुंची तो मंजर दिल दहला देने वाला था। लाशें प?ी थीं और बेडरूम में सामान बिखरा हुआ था। प्रारंभिक जांच प?ताल के बाद फोरेंसिक एक्सपर्ट अखिलेश भार्गव ने बताया कि मामला हत्या का है और दोनों महिलाओं की मौत दम घुटने से हुई है। महिलाएं उम्रदराज थीं, लेकिन वो जितना संघर्ष कर सकती थीं उससे ज्यादा किया। पुलिस के मुताबिक बेडरूम में बिखरे प? सामान को देखकर लगता है कि मां-बेटी ने हत्यारों से संघर्ष किया था। पुलिस के मुताबिक रीना भल्ला का हंसता-खेलता परिवार था। किसी चीज की कोई कमी नहीं थी। गार्डन होम्स के फेज दो में डेली नीड्स के नाम से इनकी शॉप है। इस दुकान में दोनों व्यस्त रहती थीं। सोसाइटी के ज्यादातर लोग रोजमर्रा की जरूरत का सामान इनकी दुकान से ही खरीदते थे।इंदु पुरी की दूसरी बेटी डॉली पास ही रहती है। घटना का पता चलते वह स्पॉट पर पहुंची। वहीं, रीना की एक बेटी है, जिसकी शादी हो चुकी है। वह अभी दिल्ली में रहती है और मां की मौत का पता चलते ही वह ग्वालियर पहुंची। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सभी अधिकारी सुबह क्षेत्र में निकलें और कचरा उठवाने की व्यवस्था करें: निगम आयुक्त

ग्वालियर। सभी अधिकारी सुबह क्षेत्र में निकलें तथा जोनल मॉनीटर एवं वार्ड मॉनीटर अपने अपने क्षेत्र में देखें कि सफाई हो रही है या नहीं। इसके साथ ही जहां कचरे के ढेर नहीं उठ रहे उन्हें तत्काल उठाने की व्यवस्था करें। यह बात मंगलवार को निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने दीपावली के पर्व को देखते हुए स्वच्छता एवं विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए अधिकारियों की बैठक लेते हुय कहीं। बैठक में निगम आयुक्त श्री वैष्णव ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपावली पर्व को देखते हुए सभी अधिकारी निरंतर फील्ड में कार्य करें। किसी भी क्षेत्र में गंदगी न हो, न ही अंधेरा रहे एवं सफाई संबंधित कार्यों के लिए किसी भी प्रकार के संसाधनों की कमी न हो। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सुबह क्षेत्र में निकलें तथा जोनल मॉनीटर एवं वार्ड मॉनीटर अपने अपने क्षेत्र में देखें कि सफाई हो रही है या नहीं। इसके साथ ही जहां कचरे के ढेर नहीं उठ रहे उन्हें तत्काल उठाने की व्यवस्था करें। सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार के संसाधनों की कमी न हो, जेसीबी, ट्रैक्टर, डंपर, टिपर वाहन सहित अन्य सभी संसाधन पर्याप्त मात्रा में कर्मचारियों को उपलब्ध हो। जिससे सफाई व्यवस्था सुचारू रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लाइट की समस्या को तत्काल ठीक करायें तथा यह सुनिश्चित करें कि शहर में किसी भी क्षेत्र में अंधेरा न रहे। बैठक में अपर आयुक्त विजय राज, मुनीश सिंह सिकरवार, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, कार्यपालन यंत्री श्रीकांत कांटे, सहायक यंत्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सीएचओ डॉ. वैभव श्रीवास्तव, डॉ. अनुज शर्मा, नोडल अधिकारी कार्यशाला पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वभाव और संस्कार में करें स्वच्छता को शामिल: डीआरएम

स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ समापन

भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी स्वच्छता पखवाड़ा चलाया गया। इस कार्यक्रम को उत्तर मध्य रेलवे, झांसी रेल मंडल मंडल, द्वारा ÷स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता÷ के ध्येय वाक्य के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मण्डल रेल प्रबन्धक दीपक कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अपर मंडल रेल प्रबंधक आर डी मौर्य द्वारा उपस्थित शाखाधिकारियों, विभागीय अधिकारियों, पर्यवेक्षकों

कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाने के साथ किया गया। पखवाड़ा के अंतर्गत रेल्वे बोर्ड द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के आधार पर दिन प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों के साथ विभिन्न दिवस आयोजित किए गए। पखवाड़ा के दौरान सबसे पहले स्वच्छता हयूमन चेन और जागरूकता कैम्पेन आयोजित किया गया। गांधी जयन्ती के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के नेतृत्व में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सफाई मित्रों को सम्मानित भी किया गया। स्वच्छ रेलगाडी दिवस पर ट्रेन में सफाई अभियान चलाया गया तो स्वच्छ पटरी दिवस पर सभी ट्रैक को साफ किया गया। आहार दिवस और नीर दिवस पर कर्मचारी और यात्रियों को स्वच्छ भोजन और स्वच्छ पानी के महत्व के बारे में समझाया गया। रेलवे कॉलोनी में स्वच्छ परिसर दिवस के अवसर पर कर्मचारियों के परिजनों को भी स्वच्छता का महत्व बताया गया। स्वच्छ प्रसाधन दिवस पर स्वच्छता कर्मियों को प्रसाधन की नियमित सफाई के लिए प्रेरित किया गया। स्वच्छता के प्रति कर्मचारियों की जागरूकता का परीक्षण करने के लिए प्रतियोगिता दिवस भी आयोजित किया गया। पखवाड़े के अंतर्गत दिवस तथा स्वच्छता समीक्षा दिवस का भी आयोजन हुआ। इसके साथ ही स्वच्छता रैली, स्वच्छ भारत मिशन, ट्री प्लाण्टेशन, आदि का आयोजन, मण्डल के वीरागंना लक्ष्मीबाई झॉसी, ग्वालियर मुरैना, दतिया, डबरा, उरई, ललितपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूटधाम कर्वी, खजुराहो एवं अन्य स्टेशनों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा किया गया। लोगों के स्वभाव में स्वच्छता को शामिल करने के लिए नुक्कड नाटक, नृत्य नाटिका, जागरूकता रैलियों, आदि का सहारा लिया गया। ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत विभिन्न स्टेशनों पर वृक्षारोपण और पौधारोपण किया गया। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता की अलख समाज के विभिन्न वर्गों में जगाई जा चुकी है। अब आवश्यकता है कि हम अपने स्वभाव में स्वच्छता को शामिल करें। अपनी आने वाली पीढ़ी को स्वच्छता एक संस्कार के रूप में दें। इस देश को ध्यान में रखते हुए मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता पखवाड़े के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई अभियान भी चलाए गए। इसमें मण्डल के शाखाधिकारियों, विभागीय अधिकारियो, पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों, रेल यात्रियों एवं सफाई मित्रों द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया गया। हमारा प्रयास है कि स्वच्छता के प्रति यह जागरूकता निरंतर बनी रहे।

सरलता जीवन का आभूषण: पं माधव

ग्वालियर। जब-जब संसार में धर्म की हानि होती है। जब अहंकारी अत्याचारी पृथ्वी पर बढ़ जाते हैं, तो ईश्वर धरा पर अवतार लेते हैं। सहजता जीवनका आभूषण होता है, जो जितना सरल होता है उतना ही प्रबल होता है। यह विचार पं

माहेश्वरी भवन में रामकथा

माधव शास्त्री ने माहेश्वरी भवन डीडवाना ओली में ओोयजित श्रीरामकथा के तृतीय दिवस रामजन्म की कथा का श्रवण कराते हुए मंगलवार को व्यक्त किए। इस मौके पर उन्होंने बधाईयां बाजे मेरे आंगना भजन गाया तो श्रद्धालु विभोर होकर नाचने लगे। बुधवार को कथा में शरद पूर्णिमा उत्सव मनेगा और कथा शाम 7 बजे से आरंभ होकर रात्रि 10 बजे तक होगी। इस दौरान श्रद्धालु महिलाएं पारंपरिका गरबा करेंगी। पंचायत माहेश्वरी डीडवाना साथ द्वारा आयोजित रामकथा में रामरस की वर्षा करते हुए पं माधव शास्त्री ने कहा कि जीवन में कैसा भी अंधेरा हो, ज्ञान का

दीपक जलाएं रखें, जिससे आपका जीवन ज्ञान से प्रकाश से सदा प्रज्वलित होता रहेगा। जीवन में ज्ञान की लाइट और संयम का ब्रेक जरूरी है, तो अंधेरा हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। रामजन्म के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि जिसके जीवन में संतों का सानिध्य एवं हरिनाम होता है, उसके यहां सदा भगवान का प्राकाट्य होता है। उन्होंने बताया कि राम का जन्म खीर से हुआ। खीर में दूध कितना ही शुद्ध हो और चावल कितनी ही अच्छी किस्म के हों, लेकिन जब तक उसमें शक्कर नहीं डाली मिठास नहीं आती है, ऐसे में हम कितने ही ज्ञानी क्यों न हो, जब तक जीवन में भक्ति नहीं होगी, तब तक जीवन में आनंद की मिठास नहीं घुलेगी। भगवान के मातापिता प्रेम हैं, जो भक्ति से प्रकट होते हैं। जो राम चरित्र का गायन करता है, उसे हरिपद प्राप्त होता है। जो एक बार गृहस्थी के कुंए में गिरा, वो उसके बचने का उपाय सिर्फ हरिनाम हैं। उन्होंने दान का महत्व बताते हुए कहा कि दान अवश्य करें,लेकिन दान का दिखावा नहीं करें। उन्होंने कहा कि तन की सुंदरता मायने नहीं रखती, जिसका मन सुंदर है, वही सही मायने में सुंदर है। इस अवसर पर दामोदर शर्मा, सुदर्शन झंवर, चंद्रमोहन नागौरी, गोविंद पंसारी,अजय जाजू, प्रदीप जाजू सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

राज्यपाल पहुँचे जीवाजी विश्वविद्यालय के कन्या छात्रावास

ग्वालियर । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मंगलवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में स्थित लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं से चर्चा की और छात्रावास में मिल रहीं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने छात्राओं को सुखद भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं। साथ ही कहा कि वे पूरी मेहनत व लगन के साथ प?ाई करें। उन्होंने कहा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये तमाम योजनायें संचालित की जा रही हैं। छात्राएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य उज्ज्वल करें। राज्यपाल श्री पटेल द्वारा किए गए छात्रावास के भ्रमण के दौरान जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अविनाश तिवारी सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि शिक्षा से पैदा होता है आत्म विश्वास: राज्यपाल

कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 979 विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधि

ग्वालियर। उन्नत खेती ही देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकती है। इसलिए जरूरी है कि परंपरागत खेती में आधुनिक तकनीक का समावेश हो। आप लोग कृषि की शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं इसलिए आप कृषि के क्षेत्र में बेहतर कार्य करते हुए अधिक उत्पादन ले सकते हैं। लेकिन देखा जा रहा है कि कृषि की शिक्षा लेने के बाद विद्यार्थी नौकरी करते हैं और जिन्हें कृषि की शिक्षा नहीं मिली वह खेती करती है। इसलिए आज वह समय आ चुका है कि जब आप रोजगार पाने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें और आधुनिक खेती की परिकल्पना को साकार कर, खेती को लाभ का व्यवसाय बनाएं। यह बात राज्यपाल एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने दशम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

राज्यपाल ने कहा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया के साथ मुझे भी कार्य करने का मौका मिला है। उनकी जीवनी को आप सभी को प?ना चाहिए और उनसे सीखना चाहिए कि किस तरह से समाज के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने ग्वालियर, प्रदेश और देश के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा कृषि विश्वविद्यालय में आज हम मौजूद हैं तो मिलेट की बात करना भी लाजमी है। लोग पीजा, बर्गर का उपभोग कर अपनी सेहत से खिलवा? कर रहे हैं। जबकि हमें मिलेट को अपनाना चाहिए क्योंकि यही वो भोजन है जो हमें सेहतमंद बनाता है और हमारे स्वास्थ्य का ध्यान रखता है। मैं आज उन सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने कृषि शिक्षा प्राप्त की है। वह जीवन में नई नई ऊंचाईया प्राप्त कर कृषि के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करें। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो अरविंद कुमार शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया और पिछले एक साल में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्य एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। इस अवसर पर एक दीक्षांत स्मारिका एवं विश्वविद्यालय की पत्रिका ''आधुनिक कृषि एवं प्रकृति'' का विमोचन भी किया गया। समारोह में डा राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो पीएल गौतम ने कहा कि सरकार को कृषि आयोग का गठन करना चाहिए। जिससे आयोग की मदद से किसानों की परेशानियों को दूर किया जा सकें। समारोह में भारतीय किसान संघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी ने कहा कि कृषि शिक्षा, कृषि कार्य करने के लिए आत्मविश्वास पैदा करती है। क्योंकि आप प? चुके है कि खेती को वैज्ञानिक पद्धति से किस तरह से किया जाए। जिससे बेहतर पैदावार ली जा सके। कार्यक्रम में पी.एच.डी. के 48 स्नातकोत्तर के 265 तथा स्नातक के 666 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। साथ ही विश्वविद्यालय पहली बार वर्ष 2022-23 के 02 मानद उपाधि डॉ. जे.के. लड्ढा (अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक) तथा ओ.पी. श्रीवास्तव. (आई.ए.एस.) एवं वर्ष 2023-24 के अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक डॉ. पी.एम. गौर और अनुकरणीय जैविक कृषक, वत्सल सचदे को प्रदान की गई।

इन्हें मिला स्वर्ण पदक-कार्यक्रम में कृषि स्नातक के 04 छात्र-छात्राओं को कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर की साक्षी, कृषि महाविद्यालय, सीहोर की श्रुति तोमर, उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के अमित बिरगोदिया एवं गार्गी त्रिपाठी कृषि स्नातकोत्तर में 02 छात्र-छात्राऐं जिनमे मंदसौर की श्रेजल तिवारी एवं सीहोर की निमिषा माहेश्वरी एवं पी.एच.डी. में 01 छात्र धीरज सिंह, ग्वालियर को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

इन्हे मिला सरताज बहादुर सिन्हा स्मृति अवार्ड-हिमांशु नागर, विशाल गुप्ता, रामस्वरूप लमरोर एवं निमिषा माहेश्वरी को सरताज बहादुर सिन्हा स्मृति अवार्ड प्रदान किये गये।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478